केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान लुधियाना का एक दिवसीय दौरा करेंगे

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

दोहा से हॉन्गकॉन्ग जा रही Qatar Airways की फ्लाइट अचानक पहुंची अहमदाबाद, एयरपोर्ट पर इमरजेंसी घोषित

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 287 | रायपुर | बुधवार 15 अक्टूबर 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

भारत-मंगोलिया की दोस्ती हुई और गहरी

भारत-मंगोलिया के रिश्ते सिर्फ राजनयिक नहीं

पीएम मोदी ने आध्यात्मिक पड़ोसी के साथ रिश्तों को बताया खास

नई दिल्ली एजेंसी

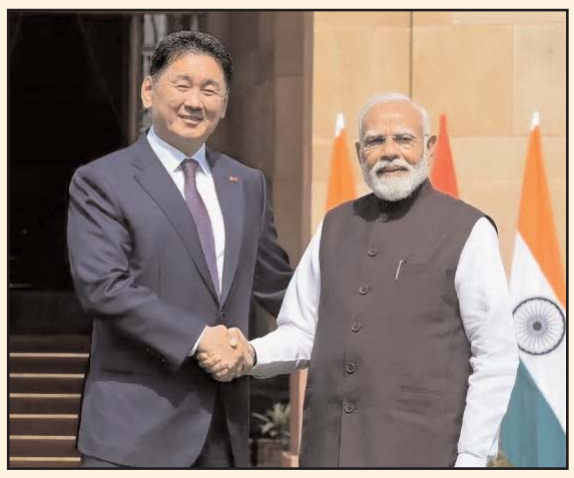

लोकसभा का दौरा भी किया मलेशियाई राष्ट्रपति ने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को मंगोलिया के राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना और उनके प्रतिनिधिमंडल का भारत आगमन पर गर्मजोशी से स्वागत किया। यह यात्रा कई मायनों में ऐतिहासिक मानी जा रही है, क्योंकि छह वर्षों के बाद कोई मंगोलियाई राष्ट्रपति भारत आए हैं। यह यात्रा उस समय हो रही है जब भारत और मंगोलिया अपने राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष और रणनीतिक साझेदारी के 10 वर्ष पूरे कर रहे हैं। इस खास अवसर पर दोनों देशों ने एक संयुक्त डाक टिकट जारी किया, जो भारत-मंगोलिया की साझा विरासत, विविधता और गहरे सभ्यतागत संबंधों का प्रतीक है। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा, राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना का स्वागत करना मेरे लिए बहुत प्रसन्नता का विषय है। हमारी मुलाकात की शुरुआत एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण से हुई। राष्ट्रपति ने अपनी स्वर्गीय माताजी के नाम एक वटवृक्ष लगाया है, जो आने वाली पीढ़ियों तक हमारी मित्रता और पर्यावरण के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक रहेगा।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि दस साल पहले मंगोलिया की अपनी यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का रूप दिया था। उन्होंने कहा, पिछले एक दशक में हमारी साझेदारी के हर आयाम में नई गहराई और विस्तार आया है। रक्षा और सुरक्षा सहयोग लगातार मजबूत हुआ है।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत और मंगोलिया के रिश्ते केवल राजनयिक संबंधों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह आध्यात्मिक और आत्मीय बंधन पर आधारित हैं। उन्होंने कहा, हमारे संबंधों की असली गहराई हमारे पीपल-टू-पीपल-टाइज में दिखाई देती है। सदियों से दोनों देश बौद्ध धर्म के सूत्र में बंधे हैं। इस वजह से हमें स्पिरिचुअल सिबलिंग कहा जाता है। मुझे यह बताते हुए खुशी है कि अगले वर्ष भगवान बुद्ध के दो महान शिष्यों सारिपुत्र और मौद्गल्या-यन के पवित्र अवशेष भारत से मंगोलिया भेजे जाएंगे। यह कदम दोनों देशों के बीच बौद्धिक और धार्मिक संबंधों को और गहरा करेगा।

इसके अलावा, भारत गंदन मॉनेस्ट्री में एक संस्कृत शिक्षक भी भेजेगा, ताकि वहां बौद्ध ग्रंथों के अध्ययन और प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाया जा सके।

प्रधानमंत्री ने कहा, हमारा रिश्ता राजनीतिक सीमाओं से परे है। भले ही भारत और मंगोलिया की सीमाएं आपस में नहीं जुड़ी हैं, लेकिन भारत हमेशा मंगोलिया को अपना पड़ोसी मानता है।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत मंगोलिया के साथ मिलकर विकासशील देशों की आवाज़ को वैश्विक मंचों पर और सशक्त करेगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने इस अवसर पर मंगोलियाई नागरिकों के लिए मुफ्त ई-वीजा सुविधा देने की भी घोषणा की है, ताकि दोनों देशों के नागरिकों के बीच संपर्क और यात्राओं में आसानी हो सके।

प्रधानमंत्री ने विशाखापत्तनम में गूगल एआई हब के शुभारंभ का स्वागत किया

एजेंसी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम शहर में गूगल एआई हब के शुभारंभ पर बेहद प्रसन्नता व्यक्त की है। श्री मोदी ने कहा कि गीगावाट-स्तरीय डेटा सेंटर अवसंरचना सहित यह बहुआयामी निवेश विकसित भारत के निर्माण के हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप है। श्री मोदी ने यह भी कहा कि ÷यह प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण में प्रबल रूप से प्रभावशाली होगा। यह सभी के लिए एआई सुनिश्चित करेगा, हमारे नागरिकों को अत्याधुनिक उपकरण प्रदान करेगा, हमारी डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा और भारत को वैश्विक प्रौद्योगिकी के अग्रणी के रूप में स्थापित करेगा!÷ **प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया:** ÷आंध्र प्रदेश के तेजी से सक्रिय शहर विशाखापत्तनम में गूगल एआई हब के शुभारंभ से प्रसन्नता हुई।

यह बहुआयामी निवेश, जिसमें गीगावाट-स्तरीय डेटा सेंटर इन्फ्रास्ट्रक्चर शामिल है, विकसित भारत के निर्माण के हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप है।

भारत और मंगोलिया के बीच द्विपक्षीय संबंध लोकतंत्र, धर्म और विकास (3डी) सिद्धांतों पर आधारित हैं: लोकसभा अध्यक्ष

एजेंसी

मंगोलिया के राष्ट्रपति महामहिम खुरेलसुख उखना आज अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ भारतीय संसद भवन पहुंचे, जहां लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने मकर द्वार पर उनका हार्दिक अभिनन्दन एवं स्वागत किया। प्रतिनिधिमंडल ने संसद भवन की स्थापत्य भव्यता, कलात्मक सुंदरता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की सराहना की। साथ ही, प्रतिनिधिमंडल ने नए संसद भवन में भारत की जीवंत लोकतांत्रिक परंपराओं की एक झलक भी देखी। अपनी बैठक के दौरान दोनों नेताओं के बीच सार्थक और सकारात्मक चर्चा हुई। श्री बिरला ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि भारत और मंगोलिया अपने राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। उन्होंने दोनों देशों के बीच लगातार प्रगाढ़ होती साझेदारी की सराहना की और कहा कि पिछले सात दशकों में आपसी सहयोग बहुआयामी रूप से मजबूत हुआ है। श्री बिरला ने वर्ष 2023 में मंगोलिया की अपनी यात्रा का उल्लेख करते हुए संसदीय लोकतंत्र को सशक्त बनाने की दिशा में भारत और मंगोलिया की साझा प्रतिबद्धता को दोहराया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत और मंगोलिया के बीच साझेदारी में रक्षा, स्वास्थ्य, सूचना प्रौद्योगिकी एवं आर्थिक सहयोग जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं निहित हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि दोनों देशों के संबंध लोकतंत्र, धर्म और विकास (3डी) के साझा सिद्धांतों पर आधारित हैं।

पंजाब में राज्यसभा के लिए बड़ा फर्जीवाड़ा, कई विधायकों ने कहा हमारी मुहर और साइन फर्जी

चंडीगढ़ एजेंसी। पंजाब से राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने वाले और खुद को जनता पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बताने वाले नवनीत चतुर्वेदी पर बड़ा फर्जीवाड़ा करने का आरोप लगा है।

उन पर आरोप है कि उन्होंने पंजाब के कई विधायकों की जाली मुहरें और फर्जी हस्ताक्षर बनवाकर उन्हें अपना प्रस्तावक दिखाया। सोशल मीडिया पर इस फर्जीवाड़े के वायरल होने के बाद प्रभावित विधायकों ने शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद प्रदेश के कई थानों में नवनीत चतुर्वेदी के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं। विधायकों ने DGP और विधानसभा सचिव को लिखा पत्र अमृतसर के विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह समेत कई विधायकों ने पंजाब DGP गौरव यादव और विधानसभा सचिव राम लोक खटना को पत्र लिखकर स्पष्ट किया कि उन्होंने नवनीत चतुर्वेदी को प्रस्तावक के रूप में अधिकृत नहीं किया। पत्र में कहा गया कि उनकी जाली मुहरें बनाकर और फर्जी हस्ताक्षर कर नामांकन दाखिल किया गया। जिन विधायकों के नाम फर्जी तरीके से प्रस्तावक के तौर पर लगाए गए, उनमें रजनीश दहिया, नरेश कटारिया, सुखबीर सिंह मायसरखाना, रणबीर भुल्लर, गुरलाल सिंह घनौर, अमोलक सिंह, मंजीत सिंह बिलासपुर, कुलवंत सिंह पंडोरी, गुरप्रीत सिंह बन्नावाली और कुलवंत सिंह बाजीगर शामिल हैं।

गूगल भारत में एआई हब बनाने के लिए करेगा 15 बिलियन डॉलर का निवेश

एजेंसी

विशाखापत्तनम में गूगल का 1 गीगावाट हाइपरस्केल डेटा सेंटर आंध्र प्रदेश के लिए 10,000 करोड़ रुपये का राजस्व सृजित करेगा: केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी । केंद्रीय मंत्री ने गूगल परियोजना को आंध्र प्रदेश की प्रगति और आत्मनिर्भरता की यात्रा में एक निर्णायक उपलब्धि बताया।

केंद्रीय संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने आज कहा कि विशाखापत्तनम में बनने वाले 1-गीगावाट के हाइपरस्केल गूगल डेटा सेंटर से आंध्र प्रदेश को लगभग 10,000 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है।

इस परियोजना को आंध्र प्रदेश की प्रगति और आत्मनिर्भरता की यात्रा में एक निर्णायक उपलब्धि बताते हुए केंद्रीय मंत्री ने रेखांकित किया कि पांच वर्षों (2026-2030) में लगभग 15 बिलियन डॉलर (अमरीकी डॉलर) का यह निवेश राज्य में 5,000-6,000 प्रत्यक्ष नौकरियां और कुल 20,000-30,000 नौकरियां पैदा करेगा। साथ ही, यह विशाखापत्तनम में आवश्यक जनशक्ति, बुनियादी ढांचा, बिजली और शीतलन सुविधाएं उपलब्ध कराएगा, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था पर एक व्यापक गुणक प्रभाव उत्पन्न होगा।

उन्होंने नई दिल्ली में आयोजित भारत एआई शक्ति कार्यक्रम के दौरान गूगल द्वारा आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) हब की स्थापना की घोषणा के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए यह बात कही। इस परियोजना में भारत का पहला गीगावाट-स्तरीय डेटा सेंटर और भारत में गूगल का पहला एआई हब शामिल होगा। डॉ. चंद्रशेखर ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आंध्र प्रदेश के विकास को दिए गए समर्थन की सराहना की और आंध्र प्रदेश में गूगल को लाने के लिए मुख्यमंत्री श्री एन. चंद्रबाबू नायडू और श्री नारा लोकेश के निरंतर प्रयासों की भी प्रशंसा की। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह परियोजना राज्य को डिजिटल हब के रूप में स्थापित करने और पूरे देश में एआई-संचालित परिवर्तन को तेज करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव; केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण; आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री एन. चंद्रबाबू नायडू; आंध्र प्रदेश के आईटी मंत्री श्री नारा लोकेश और गूगल क्लाउड के सीईओ श्री थॉमस कुरियन भी उपस्थित थे।

यूपी: योगी सरकार का राज्य के के 14.82 लाख कर्मचारियों को दिवाली का तोहफा, बोनस देने की घोषणा

लखनऊ. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली के शुभ अवसर पर राज्य कर्मचारियों को बड़ा उपहार देते हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए बोनस देने का निर्णय लिया है. मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय कर्मचारियों के परिश्रम और निष्ठा के प्रति राज्य सरकार की सराहना का प्रतीक है. प्रदेश की प्रगति में सरकारी कर्मचारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और सरकार हर स्तर पर उनके कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है. मुख्यमंत्री के निर्देश पर वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, राज्य सरकार के कर्मचारियों को उत्पादकता असंबद्ध बोनस अनुमन्य किया गया है. यह बोनस मासिक परिलब्धियों की अधिकतम सीमा 7,000 रुपये के आधार पर 30 दिनों की परिलब्धियों का आगणन करते हुए दिया जाएगा।

भाजपा का 'मिशन बिहार', 71 की लिस्ट के बाद मैथिली ठाकुर ने भी थामा कमल

एजेंसी

बिहार चुनाव के लिए बीजेपी की पहली लिस्ट सामने आ गई है. इसमें 71 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की गई है. सबसे बड़ी बात है कि बीजेपी ने कुछ बड़े नेताओं का पत्ता साफभी किया है. विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव का टिकट भी कट गया है.कुमरहार से अरुण सिंह का टिकट भी कट गया है. बड़े नामों की बात करें तो बीजेपी अध्यक्ष सम्राट चौधरी को तारापुर से टिकट मिला है. सिवान से मंगल पांडेय को टिकट दिया गया है. बांकी पुर से मंत्री नितिन नवीन को टिकट दिया गया है. दीघा से संजीव चौरसिया को टिकट दिया गया है. दरभंगा से संजय सरावगी को टिकट मिला है. जमुई से श्रेयसी सिंह को टिकट मिला है. बिहार की फेमस लोक गायिका मैथिली ठाकुर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गई हैं. मैथिली ठाकुर को बिहार बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बीजेपी की सदस्यता दिलाई. इसी मौके पर राजद विधायक भरत बिन्द भी बीजेपी में शामिल हो गए।

विदेश | **मंगोलियाई नागरिकों के लिए फ्री ई-वीजा**

भारत-मंगोलिया के बीच 6 समझौते हुए

एजेंसी

मंगोलिया के राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की. दोनों नेताओं के बीच शिक्षा, ऊर्जा, रक्षा, संस्कृति और सुरक्षा जैसे कई मुद्दों पर बातचीत हुई. दोनों देशों ने 6 समझौतों (MoUs) पर हस्ताक्षर किए. इनमें मानवीय सहायता, मंगोलिया में ऐतिहासिक स्थलों की मरम्मत, आप्रवासन, खनिज खोज और डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में सहयोग शामिल है.

भारत की मदद से मंगोलिया में एक तेल रिफाइनरी बन रही है, जो साल 2028 से काम करना शुरू करेगी. यह रिफाइनरी 1.7 बिलियन डॉलर (करीब 17 हजार करोड़ रुपये) की भारतीय लोन सहायता से बन रही है. इससे हर साल 15 लाख मीट्रिक टन कच्चे तेल को रिफाइन किया जा सकेगा. यानी रोजाना लगभग 30,000 बैरल तेल. मंगोलिया ने इच्छा जताई है कि भारतीय कंपनियां वहां तेल और गैस की खोज करे. मोदी ने घोषणा कि मंगोलियाई नागरिकों को अब भारत आने के लिए ई-वीजा मुफ्त मिलेगा. साथ ही लद्दाख और मंगोलिया के अरखांगई प्रांत के बीच स्थानीय स्तर पर सहयोग बढ़ाने के लिए एक नया समझौता किया गया. मोदी ने यह भी कहा कि भारत मंगोलिया के युवाओं को भारत में सांस्कृतिक राजदूत बनने का मौका देगा. इसके अलावा, दोनों देशों के शैक्षिक और धार्मिक संस्थानों के बीच सहयोग भी बढ़ाया जाएगा. मंगोलिया के गंदन मठ और भारत के नालंदा विश्वविद्यालय के बीच विशेष साझेदारी बनाई गई है. भारत अब मंगोलिया की सीमा सुरक्षा बलों को ट्रेनिंग देगा और उनके लिए नई योजनाएं शुरू करेगा।

'भारत एक महान देश है': शाहबाज के सामने ट्रंप ने कर दी मोदी की प्रशंसा

एजेंसी

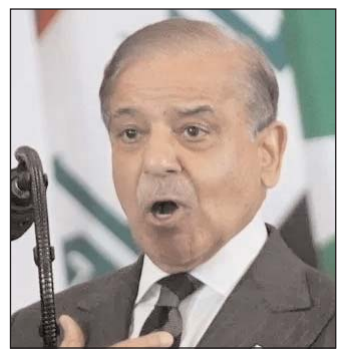

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर जमकर भारत की तारीफ की। इस बार ट्रंप ने मिस्र के शर्म अल-शेख शिखर सम्मेलन में भारत को महान देश और पीएम मोदी को अपना खास दोस्त बताया है। यह बात उन्होंने इजराइल-हमास युद्ध को खत्म करने वाले ऐतिहासिक शांति समझौते पर हस्ताक्षर के बाद कही।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'भारत एक महान देश है और वहां मेरा एक बहुत अच्छा दोस्त है, जिसने शानदार काम किया है।' उन्होंने भारत-पाकिस्तान के संबंधों में सुधार आने की उम्मीद भी जताई है। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि 'पाकिस्तान और भारत बहुत अच्छे से साथ रहेंगे।' इससे दोनों परमाणु शक्ति संपन्न पड़ोसियों के बीच भविष्य के रिश्तों को लेकर सकारात्मक संकेत मिले।

भारत-पाकिस्तान बहुत अच्छे से रहेंगे... : ट्रंप ट्रंप ने गाजा में इजराइल-हमास के बीच करीब दो साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए युद्ध विराम पर बनी सहमति के बाद मिस्र के शर्म अल शेख शहर में विश्व नेताओं के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें लगता है कि भारत और पाकिस्तान एक साथ बहुत अच्छी तरह से रहेंगे।

ट्रंप ने पीएम मोदी को बताया खास दोस्त - ट्रंप ने अपने पीछे खड़े पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की ओर देखते हुए कहा, 'भारत महान देश है और मेरे बहुत अच्छे मित्र उसका नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने शानदार काम किया है। मुझे लगता है कि पाकिस्तान और भारत साथ मिलकर बहुत अच्छे से रहेंगे।' इससे पहले शरीफ और पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की प्रशंसा करते हुए ट्रंप ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को सभा को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया। शरीफने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के अथक प्रयासों के बाद पश्चिम एशिया में शांति स्थापित हुई है।

ट्रंप का दावा- आठ विवादों को कराया हल - ट्रंप अब तक भारत और पाकिस्तान के बीच के विवाद समेत सात विवादों को सुलझाने का दावा करते रहे हैं। हालांकि, अब उन्होंने इजराइल-गाजा विवाद को जोड़कर यह संख्या आठ कर दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई बातचीत का जिक्र किया है। यह बातचीत दोनों नेताओं के बीच एक महीने के भीतर दूसरी बार हुई थी। इस दौरान पीएम मोदी ने ट्रंप को गाजा शांति योजना की सफलता पर बधाई दी थी। साथ ही, उन्होंने व्यापार वार्ता में हुई प्रगति पर भी चर्चा की थी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा था, ÷मेरे दोस्त, राष्ट्रपति ट्रंप से बात की और ऐतिहासिक गाजा शांति योजना की सफलता पर उन्हें बधाई दी। व्यापार वार्ता में हुई अच्छी प्रगति की भी समीक्षा की।÷

जहरीले कफ सिरप 'कोल्ड्रिफ' को लेकर डब्ल्यूएचओ ने जारी किया ग्लोबल अलर्ट, 3 भारतीय कंपनियों के बैच को बताया जानलेवा

जेनेवा एजेंसी विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत में बने ज़हरीले कफ सिरप को लेकर एक वैश्विक अलर्ट जारी किया है। यह कदम मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में 'कोल्डरिफ' सिरप पीने से 23 नवजात शिशुओं की मौत के बाद उठाया गया है। WHO ने दुनिया भर के देशों से इन दवाओं पर कड़ी निगरानी रखने और इनकी सूचना स्वास्थ्य एजेंसी को देने की अपील की है। WHO ने अपने बयान में तीन विशिष्ट दवाओं के बैच को खतरनाक बताया है, जिनमें श्रीसन फार्मास्यूटिकल्स का कोल्डरिफ रेडनेक्स फार्मास्यूटिकल्स का रेस्पिफ्रेश टीआर और शेप फार्मा का रिलीफ शामिल है। स्वास्थ्य एजेंसी ने चेतावनी दी है कि ये ज़हरीले उत्पाद गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करते हैं और इनके सेवन से जानलेवा बीमारी हो सकती है। इस मामले पर भारत की केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने WHO को सूचित किया है कि यह सिरप कथित तौर पर पांच साल से कम उम्र के बच्चों को दिया गया था। जांच में पाया गया कि इस कफ सिरप में ज़हरीला केमिकल 'डाइथिलीन ग्लाइकॉल' की मात्रा तय सीमा से लगभग 500 गुना अधिक थी। हालांकि, CDSCO ने यह भी स्पष्ट किया है कि इन दूषित दवाओं का भारत से निर्यात नहीं किया गया था और न ही किसी अवैध निर्यात का कोई सबूत मिला है। इसी बीच, अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने भी शुक्रवार को पुष्टि की कि ये ज़हरीले सिरप संयुक्त राज्य अमेरिका नहीं भेजे गए थे।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

मनरेगा योजना से ग्रामीणों को मिला रोजगार और आत्मनिर्भरता का अवसर

मनरेगा योजना से ग्रामीणों को मिला रोजगार और आत्मनिर्भरता का अवसर

डबरी निर्माण से बढ़ी सिंचाई सुविधा, फसल उत्पादन में हुआ सुधार

किसान तिरन एवं रूपधर ने डबरी निर्माण से बदली अपनी आर्थिक स्थिति

रायपुर। डबरी निर्माण से सिंचाई सुविधा में वृद्धि हुई है क्योंकि ये वर्षा जल के संचयन का स्थायी साधन प्रदान करती हैं, जिससे किसानों को बारहों महीने खेतों की सिंचाई करने में मदद मिलती है। इससे फसल उत्पादन और किसानों की आय में वृद्धि होती है, साथ ही यह मछली पालन जैसे अतिरिक्त आय के स्रोतों का अवसर भी देता है। मनरेगा के तहत डबरी निर्माण कार्य से कई ग्रामीण परिवारों को आर्थिक सफलता मिली है। डबरी निर्माण से न केवल रोजगार सृजित हुआ है, बल्कि सिंचाई की सुविधा भी बढ़ी है, जिससे कृषि उत्पादन में सुधार हुआ है।

गरियाबंद जिले से 67 किलोमीटर दूरी पर ग्राम पंचायत मुड़ागांव स्थित है। यहां मनरेगा जॉब कार्डधारियों की संख्या 360 है। यहां के एक कृषक श्री तिरन जो कि बारिश के पानी से ही अपनी खेती-बाड़ी का कार्य करते थे। उन्हें प्रत्येक वर्ष बेमौसम बारिश और पानी की कमी के कारण खेती करने में मुश्किल हो रही थी। जैसे-जैसे फसलें अफसल हो रही थी। आत्मविश्वास टूटता जा रहा था। पानी की कमी के कारण उनके जैसे कई अन्य किसान भी पर्याप्त फसल नहीं ले पाते थे। ग्राम सभा के माध्यम से महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत व्यक्तिगत व हितग्राही मूलक कार्य जैसे डबरी निर्माण कार्य के संबंध में जानकारी ग्रामीणों को दी गई। जिसमें बताया गया कि मनरेगा योजना से हितग्राही मूलक कई कार्य किए जा सकते हैं। डबरी निर्माण होने से फसल उत्पादन ज्यादा किया जा सकता है।

गरियाबंद जिले से ग्राम पंचायत मुड़ागांव के तिरन-रूपधर ने डबरी निर्माण कराने का मन बनाया और उत्सुकतापूर्वक मनरेगा योजना के जनकल्याण कारी कार्य का लाभ लेने हेतु आवेदन ग्राम पंचायत में ग्रामसभा में जमा कराया। इसके बाद पंचायत द्वारा प्रस्ताव तैयार कर जनपद पंचायत में प्रेषित किया गया। स्वीकृति होने के पश्चात् कार्य को प्रारम्भ किया गया। डबरी निर्माण से हितग्राही मछलीपालन एवं आस-पास के खेतों में सिंचाई कर, फसल लगाकर अपनी एवं परिवार की आजीविका अच्छे से कर रहे है। हितग्राही श्री तिरन एवं रूपधर ने बताया कि डबरी निर्माण से आय के साधन में वृद्धि हुई जिससे ग्रामीण किसान आत्मनिर्भर बनते जा रहे है। कार्य से किसानों को फसल की उत्पादन क्षमता भी बढ़ती जा रही है, मछली पालन, खेती बाड़ी में अच्छी गुणवत्ता के साथ पैदावार हो रही है, जिसे बेचकर आय अर्जित करना एवं दैनिक रूप से जो भी खर्च है वह पूर्ति हो रही है। स्थल का सदुपयोग हुआ, खेतों में सिंचाई की सुविधा बढ़ी, आजीविका के साधन में वृद्धि हुआ।

कलेक्टर अजीत वसंत की तारीफ़ कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस 2025 में सभी कलेक्टर को मिले

रायपुर। मंत्रालय में आयोजित कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस में कोरबा जिले के प्रदर्शन की विशेष सराहना की गई. प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना में जिले ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि कोरबा में योजना का क्रियान्वयन प्रभावशाली रहा है और इसे अन्य जिलों के लिए उदाहरण माना जा सकता है. बता दें कि पूर्व गृह मंत्री ननकीराम कंवर ने कोरबा कलेक्टर के काम पर सवाल उठाते हुए सरकार से उन्हें हटाए जाने की मांग की थी. कलेक्टरों के कामकाज की समीक्षा के दौरान सरकार ने अब उनकी पीठ थपथपाई है. दरअसल कलेक्टर्स कांफ्रेंस के दौरान कलेक्टर अजीत वसंत ने बताया कि जिले में विशेष पिछड़ी जनजातियों बैगा और कोरवा समुदायों के बीच प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना को प्राथमिकता से लागू किया गया है. उन्होंने कहा कि डीएमएफ (जिला खनिज फाउंडेशन) के सहयोग से योजना की प्रगति सुनिश्चित की जा रही है. कांफ्रेंस के दौरान कोरबा कलेक्टर ने बताया कि विशेष पिछड़ी जनजातियों से जुड़े 700 घर जो पीएम जनमन योजना के तहत बनाये जा रहे हैं उन घरों में हम सूर्य घर योजना का लाभ दे रहे हैं. कुल 60 हज़ार रुपए की राशि डीएमएफसे दी जाएगी। इसमें से 45 हज़ार रुपए सरकारी सब्सिडी है और 15 हज़ार रुपए डीएमएफकी राशि है. मुख्यमंत्री साय ने सभी कलेक्टरों से कहा कि पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र परिवारों तक पहुँचाना हमारी प्राथमिकता है. साथ ही ग्रामीण हितग्राहियों के लिए बैंक फाइनेंस की प्रक्रिया को सरल बनाने के निर्देश दिए।

चित्रकारों ने कराया रंगों से छत्तीसगढ दर्शन

रायपुर। संस्कार भारती छत्तीसगढ़ द्वारा छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में 51 चित्रों की एक चित्रमाला निर्माण कार्यशाला दिनांक 11 -12 अक्टूबर को विप्र भवन समता कॉलोनी रायपुर में आयोजित की गई । कार्यशाला में प्रदेश की राजधानी रायपुर के चित्रकारों के अलावा बिलासपुर , राजनांदगांव , खैरागढ़ , जांजगीर - चांपा , दुर्ग , बालोद, महासमुंद , दंतेवाड़ा ,रायगढ़ धमतरी, बलोदा बाजार ,बस्तर आदि स्थानों से कलाकार पधारे एवं 51 चित्रों की रचना की. इन चित्रों में कला संस्कृति एवं परम्परा, ऐतिहासिक घटना, सामाजिक जनजीवन और तीज त्यौहार आदि विषय आधार रूप में हैं. इन विषयों का चयन साहित्य अकादमी के अध्यक्ष श्री शशांक शर्मा के द्वारा किया गया. छत्तीसगढ़ को भारत के मानचित्र पर एक नए राज्य के रूप में 25 वर्ष हो गए इसी अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव का प्रारंभ 15 अगस्त 2025 से हुआ जिसमें सभी विभागों के द्वारा फरवरी 2026 तक विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन शासन और गैर सरकारी संस्थाओं के द्वारा किया जा रहा है. इसी तारतम्य में संस्कार भारती के द्वारा इस कार्यशाला के आयोजन योजना बनी और कार्यशाला सफल रूप से संपन्न हुई. इस चित्रकला कार्यशाला को संस्कार भारती द्वारा प्रशासन को समर्पित कर आग्रह किया जाएगा कि इसकी भव्य प्रदर्शनी का उद्घाटन 1 नवंबर को राज्योत्सव के अवसर पर किया जाए । संस्था द्वारा एक स्मारिका प्रकाशित की जाएगी जिसमें इन सभी कलाकृतियों के छायाचित्र रहेंगे । कार्यशाला के समापन समारोह में प्रांतीय अध्यक्ष संस्कार भारती श्री रिखी क्षत्री, डॉ विकास चंद्रा विभाग,अध्यक्ष चित्रकला विभाग संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ व श्री शशांक शर्मा, साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा संपन्न हुई । इस अवसर पर संस्था के महामंत्री हेमंत माहुलिकर, महानगर महामंत्री कबीर चंद्राकर, पुरुषोत्तम चंद्राकर, डॉ आनंद पांडे, किशोर वैभव, प्रांजल राजपूत, प्रीतेश पांडेय, लवकुश तिवारी, अपूर्वा , अंकित , रंजना गुरु, शैलदुलारी सारवा, सूर्यकांता कश्यप, पार्थ महावर, कला प्रेमी, कलाकार नगरवासी आदि उपस्थित थे।

स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत करने 'आयुष्मान कार्ड महाअभियान', आज 70 वार्डों में लगेंगे शिविर

बिलासपुर । बिलासपुर जिला प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य सुरक्षा को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आज, 13 अक्टूबर को 'आयुष्मान कार्ड महाअभियान' का आयोजन किया जा रहा है। यह एक दिवसीय विशेष अभियान है, जिसके तहत नगर निगम क्षेत्र के सभी 70 वार्डों में शिविर लगाए जाएंगे।

पीडीएस दुकानों पर सुबह 10 से शाम 5 बजे तक कार्ड बनेंगे : आम जनता को स्वास्थ्य सुरक्षा योजना का लाभ सुनिश्चित करने के लिए, सभी 70 वार्डों की पीडीएस (शासकीय राशन) दुकानों पर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में प्रत्येक परिवार के सभी सदस्यों के लिए अलग-अलग आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे, जिसके माध्यम से वे ?5 लाख तक की निःशुल्क उपचार सुविधा प्राप्त कर सकेंगे।

नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि वे शिविर में आते समय निम्नलिखित दस्तावेज अपने साथ जरूर लाएं:आधार कार्ड, राशन कार्ड, आधार से लिंक मोबाइल नंबर ये दस्तावेज पहचान सत्यापन के लिए अनिवार्य हैं, जिससे आयुष्मान कार्ड तुरंत जारी किया जा सके।इस महाअभियान के दौरान, 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष रूप से 'वय वंदना कार्ड' भी बनाए जाएंगे। इस योजना का लाभ उन वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा जिनके आधार कार्ड में न्यूनतम आयु 70 वर्ष अंकित है। जिन वरिष्ठ नागरिकों को पहले से सामान्य आयुष्मान कार्ड जारी हो चुका है।

मवेशी तस्करों के खिलाफपुलिस चौकी तुमडीबोड़ की कार्यवाही

गौवंश मवेशीयों को बुचड खाना ले जाते दो वाहन महिंद्रा पिकअप को पकड़ने में मिली सफलता

राजनांदगांव । छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र के सीमा से लगे इलाकों में पुलिस ने मवेशी तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है जिनमें से 01. विश्वदिप बंजारी पिता रविन्द्र बंजारी उम्र 28 वर्ष साकिन टेकेपार पुर्नवसन वार्ड नं0-03 थाना कारदा, जिला भण्डारा (महा.) 02. राजुश मोहनकर पिता प्रकाश मोहनकर उम्र 27 वर्ष साकिन ग्राम झबाडा थाना कारदा, जिला भण्डारा (महा.) 03. सौरभ लेन्डारे पिता मिलिंद लेन्डारे उम्र 21 वर्ष साकिन ग्राम वाकेश्वर थाना अडयाल, जिला भण्डारा (महा.) 04. सुचित रामटेके पिता सचिन रामटेके उम्र 19 वर्ष साकिन गोल्हेबाडी थाना आडयाल, जिला भण्डारा (महा.) मवेशीयों को बुचड खाना ले जाते दो वाहन महिंद्रा पिकअप को पकड़ने में मिली सफलता, 07 नग मवेशी किमती 1,25,000/- रूपये व वाहन 02 नग किमती 10,00,000/- रूपये, कुल जुमला किमती 11,25,000/- रूपये को किया गया जप्त। पुलिस अधीक्षक राजनादगांव मोहित गर्ग के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा तथा नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन जिला राजनादगांव के मार्गदर्शन, में चौकी प्रभारी तुमडीबोड़ निरीक्षक दिलीप पटेल के नेतृत्व में हमराह स्टॉप के दिनांक 13/10/2025 के रात्रि में गौरक्षा दल व अन्य लोगो से सुचना मिला कि ग्राम बनभेड़ी से दो पिकअप क्रमांक रू॥ 36, 4721 एंव रू॥ 36, 1375 में मवेशीयो को ठुस ठुस कर भरकर, बिना दाना पानी बिना चिकित्सा प्रमाण पत्र के कत्लखाना ले जाने कि सुचना मिलने पर बजरंग दल के लोगो को बताकर दिनांक 13.10.2025 के दरमियानी रात 02 पीअप वाहन का पिछा करते हुए जिसे दिनांक 13.10.2025 के सुबह 05:00 बजे करीबन ग्राम तुमडीबोड़, नाथुनवागांव, तिराहा मोड के पास दोनो पिकअप को रोका गया, जिसमें वाहन क्रमांक रू॥ 36, 1375 में 03 भैस एंव एक भैस का बच्चा कुल 04 नग मवेशी एंव वाहन एंव वाहन क्रमांक रू॥ 36, 4721 में 03 नग भैस मवेशी को ठुस ठुस कर भरकर बिना।

टेकाठोडा (कच्चे) गांव में पास्टर-पादरी के प्रवेश पर लगा प्रतिबंध, बोर्ड लगाकर दिया साफ संदेश

कांकेर। कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर विकासखंड के टेकाठोडा (कच्चे) गांव ने धर्मांतरण के बढ़ते मामलों पर कड़ा रुख अख्तियार किया है। ग्रामवासियों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर गांव में ईसाई धर्म प्रचारकों, जैसे पास्टर, पादरी और मतांतरण कर चुके व्यक्तियों के प्रवेश पर पूरी तरह से रोक लगा दी है।

इस निर्णय को सार्वजनिक करते हुए, ग्रामीणों ने गांव के प्रवेश द्वार पर एक बड़ा बोर्ड लगा दिया है, जिस पर स्पष्ट रूप से लिखा है कि किसी भी प्रकार के धर्मांतरण या धार्मिक आयोजन के उद्देश्य से गांव में प्रवेश वर्जित है।

कांकेर जिले का बारहवां गांव

टेकाठोडा (कच्चे) ऐसा कदम उठाने वाला कांकेर जिले का बारहवां गांव बन गया है। इन गांवों ने औपचारिक ग्राम सभा निर्णय लेकर धार्मिक मतांतरण के विरोध में बोर्ड स्थापित किए हैं। ग्रामीणों ने कहा कि यह कदम उनकी संस्कृति और पारंपरिक जीवनशैली की रक्षा के लिए उठाया गया है।

प्रलोभन से मतांतरण का विरोध

ग्रामीणों ने बताया कि हाल के दिनों में गांव के आठ परिवारों ने धर्म परिवर्तन कर लिया है, जिससे गांव की सामाजिक और पारंपरिक संरचना पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उनका विरोध किसी धर्म विशेष से नहीं, बल्कि प्रलोभन, लालच या मदद के नाम पर कराए जा रहे मतांतरण के खिलाफ है। ग्राम सभा के निर्णय के तहत, प्रवेश द्वार पर लगाए गए बोर्ड में पेसा अधिनियम 1996 के नियम चार (घ) का हवाला दिया गया है, जो उन्हें अपनी सांस्कृतिक पहचान और पारंपरिक संस्कृति के संरक्षण का अधिकार देता है। ग्रामीणों का कहना है कि यह निर्णय संविधान की पांचवीं अनुसूची में आदिवासी क्षेत्रों को प्राप्त स्वशासन और सांस्कृतिक सुरक्षा की भावना के अनुरूप है।

यह पहल अब जिले भर में चर्चा का विषय बनी हुई है। एक ओर जहां समाज का एक बड़ा वर्ग इसे आदिवासी संस्कृति की रक्षा और स्वाभिमान का कदम मान रहा है, वहीं कुछ लोगों का कहना है कि प्रशासन को इस पर संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाना चाहिए ताकि क्षेत्र में सामाजिक सौहार्द बना रहे।

विधायक विक्रम मंडावी समेत पूर्व छात्रों ने साझा किए छात्र जीवन के अविस्मरणीय

यादों का संगम : नेलसनार में पूर्व छात्र मिलन समारोह संपन्न

नेलसनार/बीजापुर, 13 अक्टूबर (आरएनएस)। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय नेलसनार में आज पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विद्यालय के पूर्व छात्रों और स्थानीय समाज के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समारोह में नेलसनार स्कूल के पूर्व छात्र, सेवा निवृत्त शिक्षक, वर्तमान छात्र-छात्राएं और क्षेत्रीय समाज के प्रतिनिधि मौजूद थे।

कार्यक्रम में वर्तमान छात्रों के लिए मोटिवेशनल सेशन आयोजित किया गया, जिसमें शिक्षकों ने अध्ययन में सफलता पाने के टिप्स दिए और छात्रों को प्रेरित किया। सेवा निवृत्त शिक्षकों जे.पी. पटेल, बी.एन. देवांगन, ए.आर. तेलाम, एस.सी. परगनिया, सहित पूर्व यहां पदस्थ रहे शिक्षक सी.आर. नेताम, सगऊराम मण्डावी, बी. मधुकर राव, राजेन्द्र कुंजाम, प्रभा यालम को शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया।

पूर्व छात्रों ने अपने छात्र जीवन के यादगार अनुभव साझा किए। इसमें मनीराम बघेल, विक्रम मंडावी (बीजापुर विधायक और स्वयं इस संस्थान के पूर्व छात्र), अंकेश चक्रवर्ती, पीलू बघेल, राजेश देवांगन, कमलेश मिश्रा, अनिल मरावी, लक्ष्मण हपका, बुगूर कारामी, लालू कुंजाम, पंकज बघेल, आयतू कुंजाम, विष्णु नाग, अमृतलाल नाग, शिव पुनेम, लक्ष्मण जुर्री, उर्मिला प्रधान, बबीता कुड़ियाम, किरण वेट्टी, रघु सोनवानी सहित सभी पूर्व छात्र शामिल थे।बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि छात्र जीवन अविस्मरणीय होता है और उसकी यादें हमेशा प्रेरणा देती हैं। बचपन की शरारतों और शिक्षकों की डांट हमें सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती हैं। आज अपने पुराने साथियों को देखकर वह बचपन फिर से जीवंत हो गया।

इस दौरान क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि गण, समाज प्रमुख, स्थानीय ग्रामीण, शिक्षक और छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विधानसभा का नया भवन : अरुण साव,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राज्योत्सव पर करेंगे लोकार्पण

उप मुख्यमंत्री ने अंतिम दौर के कार्यों का किया निरीक्षण, लोकार्पण की तैयारियों का लिया जायजा

आधुनिक व सर्वसुविधायुक्त विधानसभा के नए भवन में छत्तीसगढ़ की संस्कृति की झलक

सदन की सीलिंग पर उकेरी गई हैं धान की बालियां, ज्यादातर फर्नीचर बस्तर के शिल्पियों द्वारा निर्मित

रायपुर। उप मुख्यमंत्री ने अंतिम दौर के कार्यों का किया निरीक्षण, लोकार्पण की तैयारियों का लिया जायजाउप मुख्यमंत्री ने अंतिम दौर के कार्यों का किया निरीक्षण, लोकार्पण की तैयारियों का लिया जायजाउप मुख्यमंत्री ने अंतिम दौर के कार्यों का किया निरीक्षण, लोकार्पण की तैयारियों का लिया जायजा

उप मुख्यमंत्री ने अंतिम दौर के कार्यों का किया निरीक्षण, लोकार्पण की तैयारियों का लिया जायजाउप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव ने आज नवा रायपुर में निर्माणाधीन छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन के अंतिम दौर के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान इसके लोकार्पण की तैयारियों का भी जायजा लिया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी आगामी 1 नवम्बर को राज्योत्सव के मौके पर विधानसभा के नए भवन का लोकार्पण करेंगे। आधुनिक व सर्वसुविधायुक्त इस भवन में छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपरा की झलक दिखाई देगी। विधानसभा के सदन की सीलिंग में धान की बालियां उकेरी गई हैं। सदन के भीतर के ज्यादातर फर्नीचर बस्तर के शिल्पियों द्वारा बनाए गए हैं।उप मुख्यमंत्री श्री साव ने विधानसभा के नवनिर्मित संपूर्ण परिसर का भ्रमण कर अंतिम चरण के कार्यों को देखा और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने यहां स्थापित एयर कंडीशनिंग चीलर प्लांट का भी अवलोकन किया। श्री साव ने कहा कि नवीन विधानसभा भवन सभी आधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसे तीन सेक्टरों में विभाजित कर बनाया गया है। भवन के सिविल कार्य पूर्ण हो चुके हैं। फिनिशिंग कार्य भी अंतिम चरण में हैं। दीपावली के बाद शिफ्टिंग का काम शुरू कर दिया जाएगा। श्री साव ने कहा कि आगामी 1 नवम्बर को छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण के 25 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। राज्योत्सव के अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से विधानसभा के नए भवन का लोकार्पण होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ नित नवीन आयाम तय कर रहा है। विधानसभा का यह नवनिर्मित भवन छत्तीसगढ़ के इतिहास में बहुमूल्य उपलब्धि होगी। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि 25 साल पहले वर्ष 2000 में रायपुर के राजकुमार कॉलेज में टेंट से शुरू हुए छत्तीसगढ़ के विधानसभा को खुद का भव्य भवन मिलने जा रहा है। नवीन विधानसभा भवन सर्वसुविधायुक्त, सुसज्जित तथा अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है।

सड़क पर पत्नी का बर्थडे सेलिब्रेट करना पड़ा भारी, स्वास्थ्य मंत्री के निज सचिव और भाजपा

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर। जिले में, छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निज सचिव और स्थानीय भाजपा नेता राजेंद्र दास के खिलाफ सड़क पर अपनी पत्नी का जन्मदिन मनाने के मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है।

यह मामला गुरुवार रात का बताया जा रहा है, जहां चिरमिरी क्षेत्र में राजेंद्र दास ने एक व्यस्त सड़क पर लग्जरी कार को बीच में खड़ा कर दिया। कार के बोनट पर केक काटकर जन्मदिन मनाया गया और जमकर आतिशबाजी भी की गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विवाद खड़ा हो गया।

हाईकोर्ट की सख्ती के बावजूद उल्लंघन

गौरतलब है कि सार्वजनिक सड़कों पर इस तरह के आयोजनों पर हाई कोर्ट ने सख्त नाराजगी जाहिर की है और कई मामलों में कड़ा रुख अपनाया है। इसके बावजूद, सड़क पर सेलिब्रेशन का यह सिलसिला जारी है, जिसने कानून के उल्लंघन को उजागर किया है।

कांग्रेस ने उठाए सवाल

इस घटना को लेकर विपक्षी दल कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर वीडियो शेयर करते हुए भाजपा नेता और मंत्री के निज सचिव पर निशाना साधा। कांग्रेस ने लिखा, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के विशेष निज सहायक राजेंद्र दास, जो खुद भाजपा नेता भी हैं, सड़क को खुलेआम अपनी निजी जागीर बनाकर जन्मदिन मना रहे हैं। पटाखों और आतिशबाजी के बीच क्या हाईकोर्ट का नियम सिर्फआम जनता के लिए है? क्या भाजपा नेताओं और उनके सहायकों पर नियम लागू नहीं होता? वायरल वीडियो और राजनीतिक दबाव के बाद, पुलिस ने राजेंद्र दास के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

एमपी ट्रैवल मार्ट में छत्तीसगढ़ पर्यटन की गूंज

अवसरों का छत्तीसगढ़ थीम बना आकर्षण का केन्द्र

27 देशों के प्रतिनिधि और 80 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय टूर ऑपरेटर्स ने लिया भाग

रायपुर। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में 11 से 13 अक्टूबर 2025 तक आयोजित एमपी ट्रैवल मार्ट-2025 में छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड की प्रभावशाली उपस्थिति आकर्षण का मुख्य केंद्र रही। यहां छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड द्वारा स्थापित भव्य और आकर्षक स्टॉल ने देश-विदेश से आए प्रतिनिधियों का ध्यान अपनी ओर खींचा। इस अवसर पर आयोजित राउंड टेबल सेशन में छत्तीसगढ़, राजस्थान, दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, नागालैंड, मणिपुर सहित विभिन्न राज्यों के पर्यटन विभाग के पदाधिकारी एवं अधिकारी शामिल हुए। इस सत्र में राज्य-स्तरीय साझेदारी और पर्यटन निवेश को लेकर उपयोगी विचार-विमर्श हुआ।

छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा और प्रबंध संचालक श्री विवेक आचार्य एमपी ट्रैवल मार्ट के कार्यक्रम में शामिल हुए। आयोजन स्थल पर लगाए गए स्टॉल में राज्य के प्राकृतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और जनजातीय स्थलों की सुंदर झलकियां प्रदर्शित की गईं। इसमें वन्यजीव पर्यटन, इको-टूरिज़्म और फिल्म पर्यटन की अवधारणा को भी दर्शाया गया।

छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने विभिन्न राज्यों और देशों से आए ट्रैवल एजेंट्स, निवेशकों और पर्यटन विशेषज्ञों से मुलाकात कर उन्हें छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर पर्यटन स्थलों और वहां छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पर्यटकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बोर्ड पदाधिकारियों ने अन्य राज्यों के ट्रेवल्स एजेंट और निवेशकों को छत्तीसगढ़ के लिए आमंत्रित किया। चर्चा का मुख्य विषय पर्यटन क्षेत्र में संयुक्त निवेश और सहयोग के नए आयाम रहे।

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा ने इस मौके पर कहा कि छत्तीसगढ़ भारत के हृदय में स्थित वह भूमि है जहाँ प्रकृति, संस्कृति और अध्यात्म का अनोखा संगम है। यहाँ की हरियाली, जलप्रपातों की कल-कल ध्वनि और जनजातीय संस्कृति पर्यटकों को अद्वितीय अनुभव प्रदान करती है। हमारा प्रयास है कि पर्यटन केवल दर्शनीय स्थलों तक सीमित न रहे, बल्कि यह स्थानीय विकास, रोजगार सृजन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का माध्यम बने।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, मध्यप्रदेश के पर्यटन, संस्कृति एवं धार्मिक न्यास मंत्री श्री धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी ने एमपी ट्रैवल मार्ट-2025 में अपनी गरिमामय उपस्थिति दी। यहां आयोजित विविध कार्यक्रमों में प्रसिद्ध फिल्म एवं टेलीविज़न निर्माता सुश्री एकता कपूर, अभिनेता श्री गजराज राव और श्री रघुबीर यादव, पिक्की के पूर्व अध्यक्ष डॉ. ज्योत्सना सूरी, इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर के अध्यक्ष श्री रवि गोसाईं सहित 27 देशों के प्रतिनिधि और 80 से अधिक अंतरराष्ट्रीय टूर ऑपरेटर्स ने भाग लिया।एमपी ट्रेवल मार्ट 2025 के आयोजन के दौरान 3000 से अधिक बिजनेस टू बिजनेस मीटिंग्स आयोजित हुई, जिनके माध्यम से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ राज्य के लिए नई साझेदारियों के द्वार खुले। यहां छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड की सशक्त भागीदारी से राज्य के पर्यटन को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर एक नई पहचान मिली है।

कृषि विश्वविद्यालय के नए कुलसचिव ने पदभार ग्रहण किया

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलसचिव श्री कपिलदेव दीपक ने आज पदभार ग्रहण किया. उन्होंने प्रभारी कुलसचिव डॉ सी पी खरे से कुलसचिव पद का प्रभार लिया. पदभार ग्रहण करने के उपरांत श्री दीपक ने कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ गिरीश चंदेल से सौजन्य मुलाकात की. डॉ चंदेल ने श्री दीपक को उनके सफल कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं दी. श्री कपिल देव दीपक ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों से संवाद कर विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली एवं गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की. इस अवसर पर उप कुलसचिव डॉ यमन देवांगन, डॉ श्रीकांत चितले, डॉ विजय सोनी सहित विश्वविद्यालय प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे. उल्लेखनीय है कि श्री कपिल देव दीपक मूलतः कृषि विभाग में संयुक्त संचालक के पद पर पदस्थ है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने वाली पूजा स्पेशल गाड़ियों में पाएँ कंफर्म सीट और बनाएँ अपने यात्रा को आसान व सुविधाजनक

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा आगामी दीपावली एवं छठ जैसे प्रमुख त्यौहारों में यात्रियों की भीड़ को ध्यान में रखते हुए अनेक फेस्टिवल/पूजा स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इन ट्रेनों में यात्रियों को पहले आओ पहले पाओ के आधार पर कंफर्म सीट उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे यात्रियों की यात्रा और अधिक सहज एवं आरामदायक होगी। पूजा स्पेशल ट्रेनें, संचालन अवधि एवं उपलब्ध बर्थ बिलासपुर-यलहंका-बिलासपुर पूजा स्पेशल । गाड़ी संख्या 08261/08262 बिलासपुर-यलहंका-बिलासपुर के मध्य 22 फेरे के लिए चलाई जा रही है । गाड़ी संख्या 08261 बिलासपुर-यलहंका(बेंगलुरु) फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन बिलासपुर से दिनांक 09 सितम्बर 2025 से 18 नवम्बर 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को तथा गाड़ी संख्या 08262 यलहंका(बेंगलुरु)-बिलासपुर फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन यलहंका से दिनांक 10 सितंबर 2025 से 19 नवंबर 2025 तक प्रत्येक बुधवार को चलेगी । बिलासपुर-यलहंका फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन में दिनाँक 14 अक्टूबर 2025 को एसी-3 में -365, एसी-3 इकॉनमी में-72, दिनाँक 21 अक्टूबर 2025 सी-3 इकॉनमी में -102 एवं स्लीपर में 185 बर्थ उपलब्ध है । इस गाड़ी का वाणिज्यक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर, भाटापारा,रायपुर, दुर्ग,राजनादगाँव, डोंगरगढ़ एवं गोंदिया स्टेशनों में दिया गया है । दुर्ग-सुल्तानपुर-दुर्ग पूजा स्पेशल । गाड़ी संख्या 08763/08764 दुर्ग-सुल्तानपुर-दुर्ग के मध्य 12 फेरे के लिए चलाई जा रही है । गाड़ी संख्या 08763 दुर्ग-सुल्तानपुर फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन दुर्ग से दिनांक 13 सितम्बर 2025 से 29 नवम्बर 2025 तक प्रत्येक शनिवार को तथा गाड़ी संख्या 08764 सुल्तानपुर-दुर्ग फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन सुल्तानपुर से दिनांक 14 सितंबर 2025 से 30 नवंबर 2025 तक प्रत्येक रविवार को चलेगी । दुर्ग- सुल्तानपुर फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन में दिनाँक दिनाँक 25 अक्टूबर 2025 एसी-3 में - 304 एवं एसी-3 इकॉनमी में - 67, दिनाँक 01 नवम्बर 2025 को एसी-2 में - 18, एसी-3 में - 407, एसी-3 इकॉनमी में -108 एवं स्लीपर में 99, दिनाँक 08 नवम्बर 2025 को एसी-2 में - 08, एसी-3 में - 420, एसी-3 इकॉनमी में -102 एवं स्लीपर में 149, दिनाँक 15 नवम्बर 2025 को एसी-2 में -12 , एसी-3 में - 400 , एसी-3 इकॉनमी में -109 एवं स्लीपर में 114, दिनाँक 22 नवम्बर 2025 को एसी-3 में - 363, एसी-3 इकॉनमी में -107 एवं स्लीपर में 124, दिनाँक 29 नवम्बर 2025 को एसी-3 में -10, एसी-3 में - 425, एसी-3 इकॉनमी में -106 एवं स्लीपर में 164 बर्थ उपलब्ध है ।

महिला किसानों के संघर्ष और सफलता की कहानी दिखाएगा डीडी किसान

महिला किसान दिवस पर विशेष कार्यक्रम का प्रसारण 15 अक्टूबर को

राजस्थानी लोक-संस्कृति की मनमोहक प्रस्तुति देगी गुलाबो सपेरा

नई दिल्ली,

आगामी 15 अक्टूबर को महिला किसान दिवस के अवसर पर डीडी किसान चैनल एक विशेष कार्यक्रम का प्रसारण कर रहा है। इस कार्यक्रम में कई प्रगतिशील महिला किसानों के संघर्ष और सफलता की कहानी दर्शाई जाएगी। इस साल देश दसवां महिला किसान दिवस मना रहा है। पहला दिवस 2016 में आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग के दौरान डीडी किसान चैनल के स्टूडियो में कई गणमान्य अतिथिगण और कृषि विभूतियां उपस्थित थीं।

अतिथियों ने महिला किसान दिवस की शुभकामनाएं और बधाइयां दीं। प्रसार भारती के चेयरमैन नवनीत कुमार सहगल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव द्विवेदी, दूरदर्शन के महानिदेशक के. सतीश नंबूदिरीपाद, डीडी किसान के उपमहानिदेशक लोकमान सिंह और उपनिदेशक व कार्यक्रम प्रमुख राजकुमार नाहर ने भी महिला किसानों को शुभकामनाएं दीं।डीडी किसान के कार्यक्रम में जिन महिला किसानों को दर्शाया जाएगा, उनमें किसान चाची के नाम से विख्यात पद्मश्री राजकुमारी देवी, नारियल अम्मा पद्मश्री कामाची चेल्लाम्मल, देश की पहली नमो ड्रोन दीदी विमला सिंवर, कृषि उद्यमी अन्नू कानावत, ऊर्जा संरक्षण के लिए काम कर रहीं पद्मश्री जनक पलटा, और डेयरी फार्मिंग में असाधारण योगदान देने वाली रेणु से शामिल हैं।कार्यक्रम में राजस्थानी लोक संस्कृति को विश्व में लोकप्रिय बनाने वाली पद्मश्री गुलाबो सपेरा द्वारा कालबेलिया नृत्य की रंगारंग प्रस्तुति भी दिखाई जाएगी।

हाईकोर्ट ने प्रदेश के मुक्तिधामों की स्थिति पर जताई सख्ती

बिलासपुर । छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने प्रदेशभर में मुक्तिधामों (अंत्येष्टि स्थलों) की स्थिति और सुधार कार्यों पर गंभीर रुख अपनाते हुए मुख्य सचिव को व्यक्तिगत हलफनामा पेश करने के निर्देश दिए हैं. अदालत ने कहा कि राज्य सरकार सभी जिलों में मुक्तिधामों की मूलभूत सुविधाओं की स्थिति पर स्पष्ट जानकारी दे. सोमवार को हुई सुनवाई में मुख्य न्यायाधीश रमेश कुमार सिन्हा और न्यायमूर्ति अमितेंद्र प्रसाद की खंडपीठ ने बिलासपुर जिले के रहंगी ग्राम पंचायत स्थित मुक्तिधाम में फैली अव्यवस्था पर दायर जनहित याचिका पर विचार किया. सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता प्रफुल्ल एन. भारत ने अदालत को बताया कि मुख्य सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव और कलेक्टर बिलासपुर ने इस मामले में शपथपत्र (हलफनामा) दाखिल कर दिया है. साथ ही छत्तीसगढ़ पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग और शहरी विकास विभाग की ओर से 6 और 8 अक्टूबर 2025 को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

अपराधियों में हो कानून का भय और जनता में हो सुरक्षा का अहसास – मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस – कानून-व्यवस्था, मादक पदार्थ नियंत्रण और सड़क सुरक्षा पर मुख्यमंत्री के सख्त निर्देश

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि पुलिस की छवि ऐसी होनी चाहिए, जिससे अपराधियों में कानून का भय और आम नागरिकों में सुरक्षा का अहसास उत्पन्न हो। मुख्यमंत्री श्री साय आज मंत्रालय (महानदी भवन) में आयोजित कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस में प्रदेश की कानून-व्यवस्था की समग्र स्थिति, मादक पदार्थ नियंत्रण, सड़क सुरक्षा, साइबर अपराधों की रोकथाम और प्रशासनिक समन्वय को सुदृढ़ करने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर गृह मंत्री विजय शर्मा, मुख्य सचिव विकास शील, अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री मनोज पिंगुआ, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक दोनों की भूमिका समान रूप से महत्वपूर्ण है। जिन जिलों में दोनों के बीच समन्वय मजबूत है, वहां बेहतर परिणाम प्राप्त हुए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि कानून-व्यवस्था के मामलों में किसी भी प्रकार की ढिलाई को प्रशासनिक उदासीनता माना जाएगा और ऐसे मामलों में कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सड़कों पर अव्यवस्था फैलाने, चाकूबाजी और हत्या जैसे जघन्य अपराधों पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाए। गौ-तस्करी और धर्मांतरण जैसे संवेदनशील मामलों पर सघन निगरानी रखी जाए और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि जिन जिलों ने अपराध नियंत्रण में उल्लेखनीय सुधार किया है, उनके अनुभवों को अन्य जिलों में मॉडल के रूप में लागू किया जाए। मुख्यमंत्री श्री साय ने नशाखोरी और मादक पदार्थों की अवैध तस्करी पर सख्त रुख अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशा अपराधों की जड़ है, और इसे समाप्त करना ही कानून-व्यवस्था सुधार की पहली शर्त है। मुख्यमंत्री श्री साय ने एनकॉर्ड के तहत राज्यव्यापी अभियान चलाने, सीमावर्ती जिलों में तस्करी पर रोक लगाने और एनडीपीएस एक्ट के तहत समय-सीमा में कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराने के लिए जनजागरूकता अभियान चलाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में घुसपैठियों की पहचान और नियंत्रण के लिए विशेष टास्क फोर्स (स्क्वॉड) गठित की गई है। उन्होंने निर्देश दिए कि सीमावर्ती जिलों में सघन जांच की जाए और संदिग्ध गतिविधियों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित हो। उन्होंने यह भी कहा कि अपराधों की अनदेखी अक्सर गंभीर अपराधों को जन्म देती है, इसलिए प्रत्येक मामले में समयबद्ध कार्रवाई आवश्यक है। बैठक में आत्मसमर्पित माओवादियों के पुनर्वास और आजीविका सशक्तिकरण पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार की पुनर्वास नीति में माओवादियों का विश्वास बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। आत्मसमर्पित माओवादियों को कौशल विकास प्रशिक्षण देकर स्थानीय रोजगार या स्वरोजगार से जोड़ा जाए, ताकि वे मुख्यधारा

देश के पहले डिजिटल संग्रहालय में दिखेगी आदिवासी नायकों की शौर्य गाथा

केन्द्रीय जनजातीय मंत्रालय के अधिकारियों ने की संग्रहालय की भव्यता और जीवंत प्रस्तुति की सराहना

रायपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी नवा रायपुर अटल नगर में छत्तीसगढ़ के आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की स्मृति में तैयार किए गए भव्य संग्रहालय सह-स्मारक का लोकार्पण राज्योत्सव के अवसर पर करेंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर बनाए जा रहा यह संग्रहालय देश का पहला डिजिटल संग्रहालय होगा। इस संग्रहालय में स्वतंत्रता आंदोलन के समय छत्तीसगढ़ में हुए 16 आदिवासी विद्रोहों की झलक देखने और सुनने को मिलेगी। संग्रहालय के लोकार्पण के लिए साज-सज्जा का काम अंतिम चरण में है। भारत सरकार के केन्द्रीय जनजाति मंत्रालय के अधिकारियों ने आज इस संग्रहालय का अवलोकन कर इसकी भव्यता और जीवंत प्रस्तुति की सराहना की।

प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने केन्द्रीय जनजातीय मंत्रालय की ओएसडी श्रीमती रंजना चोपड़ा और संचालक श्रीमती दीपाली मासिरकर को संग्रहालय का भ्रमण कराते हुए बताया कि यह संग्रहालय छत्तीसगढ़ में जनजातीय समाज के ऐतिहासिक गौरव गाथा, शौर्य और बलिदान का प्रतीक है। नई पीढ़ियों को आदिवासियों का स्वतंत्रता विद्रोह की याद दिलाता रहेगा। यह न सिर्फआदिवासी वर्गों के लिए बल्कि देश-विदेश के लोगों के लिए भी प्रेरणास्पद होगा। उन्होंने बताया कि संग्रहालय में डिजिटल माध्यम से आदिवासी समाज के विद्रोहों और उनके नायकों की गाथा की प्रस्तुति संग्रहालय का विशेष आकर्षण रहेगी। पूरे संग्रहालय परिसर को सर्वसुविधायुक्त बनाया जा रहा है। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने बताया कि संग्रहालय के प्रवेश द्वार पर सरगुजा के कलाकारों द्वारा बनाए गए बेहद खूबसूरत नक्काशीदार पैनल लगाए जाऐंगे। वहीं मुख्य द्वार पर अंदर प्रवेश करते ही लगभग 1400 वर्ष पुराने साल वृक्ष की प्रतिकृति बनाई जा गई है, इसकी पत्तियों पर सभी 14 विद्रोहों का जीवंत वर्णन किया गया है। केन्द्रीय जनजातीय मंत्रालय की ओएसडी श्रीमती रंजना चोपड़ा ने संग्रहालय परिसर में तैयार हो रहे तालाब के चारों ओर सुन्दर पाथवे बनाने एवं लाईट की व्यवस्था और अंदर की गैलरी में ट्राईबल आर्ट का प्रयोग करने कहा। संग्रहालय के ओरिएंटेशन रूम की बाहरी दीवारों पर शहीद वीर नारायण सिंह जी की शहादत संबंधी जानकारी जैसे जेल रिकॉर्ड, सुनाई गई सजा के आदेश की कॉपी इत्यादि सभी मूल अभिलेख संरक्षित कर डिस्प्ले करने के सुझाव दिए। श्रीमती चोपड़ा ने शहीद वीर नारायण सिंह जी के संघर्ष से संबंधित समाज द्वारा उपलब्ध कराई गई तलवार को भी संग्रहालय में संरक्षित कर प्रदर्शित करने और सोनाखान विद्रोह को प्रदर्शित करने के लिए ऑडियो-वीडियो व डिजिटल स्क्रीन की व्यवस्था, संग्रहालय में ट्राईबल रिलेटेड डॉक्यूमेंट फिल्म का भी प्रदर्शन, प्रत्येक गैलेरी में ऑडियो विजुअल की व्यवस्था कहा, ताकि आगंतुकों को मोबाइल में स्कैन करने पर पूरी जानकारी उपलब्ध हो और म्यूजिक को भी सुना जा सके।

ऑपरेशन सुरक्षा के तहत यातायात पुलिस दुर्ग की सघन कार्रवाई

बच्चों की जान जोखिम में डालने वाले वाहन पर कार्यवाही, अवैध पार्किंग हटाई गई, सड़क सुरक्षा कार्यों की समीक्षा

दुर्ग। सोमवार को ऑपरेशन सुरक्षा अभियान के तहत यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा जिलेभर में सड़क सुरक्षा, अनुशासन एवं नागरिक सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष जाँच एवं कार्यवाही अभियान चलाया गया।* अभियान का मुख्य उद्देश्य यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करना, नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा सड़क पर किसी भी प्रकार के अवैध या जोखिमपूर्ण व्यवहार पर तत्काल नियंत्रण स्थापित करना रहा। अभियान के दौरान छावनी क्षेत्र स्थित बैकुंठधाम के समीप यातायात पुलिस की चेकिंग ड्यूटी के दौरान एक मालवाहक वाहन टाटा ऐस क्रमांक छत्त 04 ष्ट 0640 को रोका गया। वाहन चालक एवं स्वामी दुर्गेश वर्मा द्वारा उक्त वाहन में लगभग 35 स्कूली बच्चों को बैठाकर परिवहन किया जा रहा था। यह कृत्य न केवल मोटरयान अधिनियम के विपरीत था, बल्कि बच्चों की सुरक्षा को अत्यधिक जोखिम में डालने वाला था। यातायात पुलिस द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए वाहन को मौके पर ही रोका गया। तत्पश्चात सभी बच्चों को सुरक्षित रूप से वाहन से उतारा गया एवं उन्हें पुलिस विभाग की बस के माध्यम से देवबलोदाङ्कचरौदा क्षेत्र में उनके घरों तक सुरक्षित पहुँचाया गया। इस संबंध में चालक के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्यवाही प्रारंभ की गई है। पुलिस द्वारा अभिभावकों से भी अनुरोध किया गया कि वे अपने बच्चों को केवल मान्यता प्राप्त एवं सुरक्षित स्कूल वाहन में ही यात्रा करने की अनुमति दें। इसी क्रम में यातायात पुलिस को नागरिकों से यह शिकायत प्राप्त हुई कि सूर्या मॉल, नेहरू नगर, दुर्ग के समक्ष फुटपाथ एवं सड़क के भाग को घेरकर अवैध पार्किंग स्थल संचालित किया जा रहा है तथा वहाँ से अवैध वसूली की जा रही है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

टिकाऊ शांति का रास्ता?

फिलहाल, गजा के बाशिंदों को बड़ी राहत मिली है। मगर अब अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने दो-राज्य सिद्धांत के तहत स्वतंत्र फिलस्तीन की स्थापना करवाने की चुनौती है, जिसके बिना कोई समझौता स्थायी शांति नहीं ला पाएगा। इजराइल और हमास के बीच शांति समझौते के पहले चरण पर सहमति बनने के साथ गज़ा में लड़ाई रुकने की संभावना मजबूत हुई है। यह समझौता अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की 20 सूत्री शांति योजना के तहत हुआ। इसके मुताबिक इजराइल हमले तुरंत रोकने और गज़ा से अपनी फौज की आंशिक वापसी पर राजी हुआ है। बदले में हमास 20 जिंदा इजराइली बंधकों और 28 बंधकों के शव लौटाएगा। इजराइल उम्र कैद काट रहे 250 से अधिक फिलस्तीनियों को रिहा करेगा। इसके अलावा वह 1,700 उन फिलस्तीनियों को रिहा करेगा, जिन्हें सात अक्टूबर 2023 के बाद से उसने हिरासत में ले रखा है।

बिहार जीत लिया!

हरिशंकर व्यास

हो सकता है मैं गलत हूं, फिर भी मेरा मानना है बिहार मोदी-शाह की गोद में है। तेजस्वी, राहुल गांधी, प्रशांत किशोर किसी का कोई अर्थ नहीं। इन सबकी याकि विपक्ष की दिक्कत है जो नहीं समझते कि नरेंद्र मोदी-अमित शाह चौबीस घंटे सत्ता की भूख में जीते हैं। कैसे भी हो सत्ता में रहना है। सोचें, ईस्ट इंडिया कंपनी के बनिया अंग्रेज और मोदी-शाह में क्या समानता है? फूट डालो, राज करो और खरीदो! त्रासद है उस इतिहास को याद कराना। पर तथ्य याद करें कि ईस्ट इंडिया कंपनी ने 1757 में पलासी और 1764 में बक्सर के युद्ध को जीता था तो उसमें तब बिहार भी था। पता है क्लाइव की सेना में कुल तीन हजार सैनिक थे! इसमें गोरे सैनिक केवल आठ सौ थे! जबकि हिंदुस्तानी सेना में पचास हजार सैनिक थे। मगर क्लाइव ने स्थानीय जगत सेठों के पैसे का इस्तेमाल किया। मीर जाफर और उनके सैनिकों को खरीद लिया। सो, अंग्रेज बनिया जीते और फिर दो सौ साल बंगाल, बिहार और उड़ीसा को लूटा। सो, बांटना, जीतना, लूटना अंग्रेजों का बताया मंत्र है।

भला मोदी-शाह की ईस्ट इंडिया कंपनी याकि क्रोनी जगत सेठों के हिस्सेदारी वाली कंपनी क्यों चूके? ध्यान रहे बिहार को मोदी-शाह की टीम ही चला रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जनता दल यू पूरी तरह मोदी-शाह की राजनीति, प्रबंधकीय व्यवस्थाओं, वोट पकाने की असेंबली लाइन से निर्देशित हैं। मैंने 2017 के उत्तर प्रदेश चुनाव के बाद विश्लेषण किया था कि चुनाव का मतदान अब मोदी-शाह की असेंबली लाइन में धड़ाधड़ वोटों का उत्पादन है। इसलिए क्योंकि दोनों की गणित में ए टू जेड के सभी विकल्प हैं, जुमले हैं, प्रबंधकीय व्यवस्थाएं हैं। और यह सत्य लगातार साबित हुआ है। बिहार के मामले में अपने को इसलिए दिलचस्पी थी क्योंकि प्रशांत किशोर बिहार और मोदी-शाह को गहराई से जानते-समझते हैं तो वे कुछ ऐसा नया, अनहोना करेंगे जिससे कुछ उलटफेर हो।

पर वे भी फेल होते लगते हैं। इसलिए क्योंकि उन्हें यह अनुमान नहीं रहा होगा कि चुनाव से ऐन पहले लगभग पूरी आबादी को अलग-अलग टुकड़ों में बांट, उनके अलग-अलग प्रतिनिधि ग्रुप बनाकर सीधे खातों में इतनी नकदी पहुंचा दी जाएगी कि घर-परिवार के लोग बाकी सब भुला देंगे। मेरा मानना है महिलाओं के खातों में दस हजार रुपए की नकदी पहुंचाना निर्णायक है। जिस प्रदेश में कुछ सौ रुपए, हजार-दो हजार रुपए के लिए लाठी चले, जान चली जाए वहां दस-दस हजार रुपए महिला के खाते में पहुंचे और उस पैसे से छठ का त्योहार मने तो वह तो उनके लिए अमृतकाल ही होगा!

कहते हैं इतनी स्कीमों, इतने बहानों की आड़ में सरकार से बिहार में पैसा बंटा है कि कोई हिसाब नहीं लग सकता। तभी ईवीएम से कथित धांधली या चुनाव आयोग की हेराफेरी या हिंदू बनाम मुस्लिम की बिहार में जरूरत नहीं होगी। बिहार का यह चुनाव सरकारी पैसे से जीता जाएगा। चुनाव में वादों से पहले ही जब पैसा बंट गया है, लोगों को खरीद लिया है तो चुनाव में भी वादों व खैरात के अलग नैरेटिव और जमीनी प्रबंध होंगे। इसलिए भाजपा-जनता दल यू की छप्पर फाड़ जीत तय है।

तभी तेजस्वी यादव, राहुल गांधी, इनके वामपंथी सहयोगी और प्रशांत किशोर धूल में लट्ठ मारते हुए हैं। प्रशांत किशोर की पहली उम्मीदवार लिस्ट में जातीय समीकरणों की चिंता है। मतलब लालू-तेजस्वी और राहुल गांधी की जातिवादी राजनीति की छाप। कोई भी नेता या पार्टी बिहार की दशा (35 साल की मंडल राजनीति में) के हवाले मतदाताओं में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी-बेगारी, असमानता, लूट-खसोट तथा कानून-व्यवस्था की स्थितियों, अपराध आदि का मसला-मुद्दा उभार नहीं पा रहा है। तेजस्वी ने पिछली बार रोजगार का हल्ला बनाया था, अभी भी हर घर में एक सरकारी नौकरी जैसी बात है पर इससे यादव नौजवानों का जनसभाओं में रैला भले बन जाए मगर मोदी-शाह ने पहले ही घर-घर अपने वोट पका लिए हैं।

यह निजी विचार है।

इस्राइल-हमास युद्धविराम : आशा की किरण या अस्थायी विराम?

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

- ललित गर्ग -

गाज़ा की धरती लम्बे दौर से संघर्ष, हिंसा, विनाश और तबाही की त्रासदी की गवाह रही है, आज फिर एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ शांति की एक हल्की किरण दिखाई तो देती है, परंतु उसके चारों ओर धुएँ और राख का अंधकार अब भी विद्यमान है। हाल ही में हुए युद्ध-विराम ने न केवल मध्यपूर्व बल्कि समूचे विश्व को राहत की एक साँस दी है। गाजा में अमन-चैन की ओर जो सुखद कदम बढ़े हैं, उनका स्वागत होना चाहिए। परंतु यह सवाल भी उतना ही प्रासंगिक है कि क्या यह शांति स्थायी होगी, या यह केवल अगली लड़ाई से पहले का ठहराव भर है? समूची दुनिया चाहती है कि यह युद्ध विराम स्थायी हो क्योंकि इस्राइल और हमास के संघर्ष ने करीब बाइस लाख से अधिक लोगों को बेघर करके भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया है। ऐसे में दोनों पक्षों के लिये समझौते के पहले चरण को पूरी तरह से लागू करना बेहद जरूरी होगा। जिसमें बंधकों व कैदियों की रिहाई, गाजा में मानवीय सहायता को अनवरत जारी रखना और इस्राइली सेनाओं की गाजा के मुख्य शहरों से आंशिक वापसी सुनिश्चित करना भी शामिल है। यह सब दूसरे चरण की बातचीत पर निर्भर हैं।

यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो इसके बाद ही दूसरे चरण की बातचीत की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। यह बेहद मुश्किल चुनौतियों वाला चरण होगा। इस दौरान कई संवेदनशील मुद्दे सामने होंगे। सबकी निगाह इस पर होगी कि शांति समझौते के अगले चरण कब पूरे होते हैं और वे सही तरह पूरे होते भी हैं या नहीं? इस पर संशय इसलिए है, क्योंकि यह स्पष्ट नहीं कि इजरायली सेना गाजा में कितना पीछे हटेगी और वहां के प्रशासन को संचालित करने का कैसा तंत्र तैयार होगा और क्या उस पर हमास सहमत होगा? इसके अतिरिक्त जहां हमास को हथियार छोड़ने हैं, वहीं इजरायल को स्वतंत्र फिलस्तीन देश की राह आसान करनी है। हमास का कहना है कि हथियार तब छोड़े जाएंगे, जब स्वतंत्र फिलस्तीन का रास्ता साफ होगा। इस पर इजरायल तैयार नहीं दिख रहा है। यह ठीक है कि स्वयं की ओर से प्रस्तावित गाजा शांति समझौते पर अमल शुरू होने के अवसर पर मिस्र जाने के पहले इजरायल पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी पहल को पश्चिम एशिया में शांति की स्थापना का पथ करार दिया और इजरायली प्रधानमंत्री से ईरान से समझौता करने को कहा। ऐसे किसी समझौते की सूरत तब बनेगी, जब ईरान इजरायल को मिटाने की अपनी जिद छोड़ेगा।

गाज़ा की वर्तमान स्थिति किसी एक राष्ट्र या एक नीति की देन नहीं है; यह दशकों से चली आ रही अविश्वास, असमानता और राजनीतिक स्वार्थों की परिणति है। इस बार के संघर्ष ने जिस तरह से निर्दोष नागरिकों, बच्चों और महिलाओं को अपना शिकार बनाया, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि युद्ध चाहे किसी भी नाम पर लड़ा जाए, उसका परिणाम हमेशा मानवीय त्रासदी ही होता है। अस्पताल, विद्यालय, धार्मिक स्थल-कोई भी स्थान सुरक्षित नहीं रहा। अमेरिकी मध्यस्थता वाले युद्धविराम समझौते के बाद हमास ने आखिरकार शेष जीवित बचे बीस इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया। जिसके बाद इस्राइल में किसी बड़े उत्सव जैसा जश्न दिखा। बहरहाल, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अभी भी इस्राइल-हमास जोखिमभरा युद्धविराम समझौता नाजुक बना हुआ है। इसकी वास्तविक परीक्षा आने वाले दिनों में होगी। इस संघर्षरत क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये जरूरी है कि प्रमुख हितधारकों की ओर से गंभीर एवं ईमानदार प्रयास लगातार होते रहें। वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती भूतहा खण्डहर एवं तबाही में तब्दील हो चुके गाजा के पुनर्निर्माण की होगी। दो साल से लगातार जारी युद्ध के चलते यह इलाका मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है।

एक नाजुक समय में जब युद्धविराम की घोषणा हुई, तो यह केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं है, बल्कि मानवीय विवेक का पुनर्जागरण भी है। यह समझना आवश्यक है कि शांति कोई समझौता नहीं, बल्कि एक अनिवार्य आवश्यकता है। यही कारण है कि यह युद्धविराम पूरी मानवता के लिए एक 'आशा की किरण' बनकर उभरा है। यह उस संभावना का प्रतीक है कि जब दुनिया के शक्तिशाली देश, विशेषकर अमेरिका, यूरोप, और अरब राष्ट्र अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं से ऊपर उठकर मानवीय सरोकारों को महत्व देते हैं, तो समाधान की दिशा में रास्ता बनता है। फिर भी इस शांति की वास्तविकता पर प्रश्नचिह्न बने हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भले ही इस युद्धविराम को अपने कूटनीतिक प्रयासों की उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया हो, पर सच यह है कि युद्ध तब रुका जब उसकी भयावहता अपनी चरम सीमा पर पहुँच चुकी थी। यह विराम किसी की ÷कूटनीति की जीत÷ से अधिक, मानवीय विवशता की उपज है। अंतरराष्ट्रीय दबाव, मानवीय संगठनों की सक्रियता और आम नागरिकों की पुकार ने मिलकर इस विराम को संभव बनाया। अब सबसे बड़ी चुनौती यह है कि यह शांति टिके, युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला फैले। क्योंकि जब तक गाज़ा के लोगों को जीवन की मूलभूत सुविधाएँ- पानी, भोजन, दवा, शिक्षा और सम्मानजनक जीवन नहीं मिलते, तब तक शांति केवल कागज़ों पर दर्ज रहेगी। वास्तविक शांति केवल तब संभव है जब अन्याय, दमन और असमानता के ढाँचे टूटें। शांति का अर्थ केवल हथियारों का मौन नहीं, बल्कि हृदयों का परिवर्तन है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने इजरायली संसद को संबोधित करते हुए गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया की ऐतिहासिक सुबह की संज्ञा दी। वे कुछ भी दावा करें, फिलहाल यह कहना कठिन है कि प्रमुख मुस्लिम देश इजरायल को मान्यता देने के लिए तैयार होंगे। भले ही ट्रंप यह कह रहे हों कि गाजा शांति समझौते को सभी मुस्लिम देशों का समर्थन मिला, लेकिन वस्तुस्थिति इससे अलग है। जब यह समझौता सामने आया था, तब उसे समर्थन देने और ट्रंप की प्रशंसा करने वालों में पाकिस्तान भी था, पर अब वह इस समझौते को समर्थन देने से केवल पीछे ही नहीं हट गया, बल्कि उसने अपने यहां ऐसा माहौल बनाया कि उसके विरोध में कट्टरपंथी तत्व सड़क पर उतर आए। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि पाकिस्तान ने गाजा शांति समझौते को नकारने के लिए ही कट्टरपंथी तत्वों को सड़कों पर उतरने के लिए उकसाया और फिर उन पर गोलियां भी चलवाई, ताकि दुनिया और विशेष रूप से अमेरिका को यह संदेश जाए कि उसके लिए गाजा शांति समझौते को स्वीकार करना संभव नहीं। यहां अमेरिका को पाक के दोहरे चरित्र को समझ लेना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ, अरब लीग और विश्व की सभी बड़ी शक्तियों की जिम्मेदारी है कि वे इस युद्धविराम को केवल घोषणा भर न रहने दें। उसे स्थायी बनाने के लिए एक ठोस मानवीय पुनर्निर्माण योजना तैयार की जाए, जिसमें राजनीतिक समाधान, मानवीय सहायता और संवाद-तीनों को समान महत्व मिले। गाज़ा के बच्चे जब फिर से स्कूलों में लौटेंगे, जब शरणार्थी अपने घरों में बस सकेंगे, जब भय की जगह भरोसा जन्म लेगा, तभी यह कहा जा सकेगा कि गाज़ा में शांति आई है। इजरायल को यहां ज्यादा उदारता का परिचय देना होगा, क्योंकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह बहुत ताकतवर है। हमास को भी हिंसा से बचना चाहिए। द्वि-राष्ट्रीय व्यवस्था को जमीन पर ठीक से साकार करना हमास का लक्ष्य होना चाहिए । हमास को अपनी छवि सुधारने की चिंता करनी चाहिए, अगर उस पर यकीन किया गया है, तो उसे खरा उतरना होगा। गाजा में किसी भी सूरत में हिंसा की वापसी नहीं होनी चाहिए। आज यह युद्धविराम भले ही 'एक आशा की किरण' बना हो, परंतु उसे स्थायी प्रकाश में बदलना विश्व समुदाय के विवेक, संवेदनशीलता और सतत प्रयास पर निर्भर करता है।

यह निजी विचार है।

चिदंबरम के कहें का क्या है अर्थ?

बलबीर पुंज

दशकों तक स्वतंत्र भारत की विदेश नीति विदेशी विचारधारा से बंधी रही है। इसी वजह से भारत को बार-बार उन मुल्कों के आगे भी झुकना पड़ा, जो लंबे समय तक भारतीय हितों के खिलाफ खड़े थे। सालों तक भारत ने फिलिस्तीन और इस्लामी देशों का समर्थन किया, जबकि वह कश्मीर के मसले पर मजहब के नाम पर पाकिस्तान का साथ देते रहे। पिछले 11 वर्षों से भारतीय नेतृत्व इस पराजित मानसिकता से मुक्त है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री पी।चिदंबरम के हालिया खुलासे का निहितार्थ क्या है? 17 साल पहले जब वर्ष 2008 में मुंबई पर पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित भीषण 26/11 आतंकवादी हमला हुआ, जो चार दिनों तक चला, जिसमें सीमापार से आए दस जिहादियों ने 166 मासूमों को मौत के घाट उतारा और देश का एक बड़ा वर्ग प्रतिशोध की ज्वाला में धधकता रहा– तब तत्कालीन कांग्रेस नीत तत्कालीन संप्रग सरकार (2004-14) विदेशी दबाव– विशेषकर अमेरिकी नेतृत्व के कहने पर पाकिस्तान के खिलाफ प्रतिकार स्वरूप कोई भी सैन्य कार्रवाई करने से पीछे हट गई। बकौल चिदंबरम, उस वक्त मेरे मन में आया कि बदला लेना चाहिए।।। मैंने प्रधानमंत्री और बाकी अहम लोगों से इस मामले पर चर्चा की थी, लेकिन निष्कर्ष काफी हद तक विदेश मंत्रालाय और विदेश सचिवों से प्रभावित था कि हमें स्थिति पर सीधे प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए, इसकी जगह कूटनीतिक तरीका अपनाना चाहिए।

उन्होंने आगे स्वीकार किया, उस समय अमेरिकी विदेश मंत्री कोंडोलीजा राइस, मेरे पद संभालने के दो-तीन दिन बाद मुझसे और प्रधानमंत्री से मिलने आई थीं।।। उन्होंने कहा था कि प्रतिक्रिया नहीं दें। मुझे पी।चिदंबरम के बयान पर कोई हैरानी नहीं। दरअसल, यह मानसिकता न ही देश में नई है और न ही चिदंबरम का यह मानस 2008 के आतंकी हमले तक सीमित है।

बात ज्यादा पुरानी नहीं है। अमेरिकी-यूरोपीय प्रतिबंधों के दबाव में 1995 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिंह राव ने पोखरण परमाणु परीक्षण रोक दिया था। लेकिन 1998 में अटल बिहारी वाजपेयीजी ने दोबारा सत्ता में आते ही इन पश्चिमी धमकियों को नजरअंदाज करके पोखरण में परीक्षण किया और भारत को परमाणु शक्ति के रूप में स्थापित भी कर दिया। आज जो चिदंबरम 26/11 के समय अमेरिकी दबाव में पाकिस्तान पर कार्रवाई नहीं करने की बात स्वीकार रहे है, उन्हीं चिदंबरम ने 27 मई 1998 को लोकसभा में चर्चा करते हुए पोखरण परमाणु परीक्षण को सत्ता-लोलुप एजेंडा और नैतिक अधिकारों के खिलाफ बताते हुए कहा था– ।।।हम परमाणु हथियार बनाने के खिलाफ हैं, हम परमाणु बमों का भंडार तैयार करने के खिलाफ हैं, हम इन हथियारों को सेना में शामिल करने के खिलाफ हैं, और हम भारत को हथियारों की दौड़ में झोंकने के भी खिलाफ हैं। आपने जो किया है, उससे हमारे दोनों बड़े पड़ोसी अब दुश्मन बन गए हैंज। क्या 1998 और 2025 में प्रकट चिदंबरम के मानस में कोई अंतर दिखता है? क्या बकौल चिदंबर 1998 से पहले भारत के पाकिस्तान और चीन से संबंध मधुर थे?

वर्ष 1962 में भारत को वामपंथ शासित चीन के हाथों शर्मनाक शिकस्त झेलनी पड़ी थी, जिसमें देश ने अपनी हजारों वर्ग किलोमीटर जमीन भी खो दी। यह सब नेहरूजी की आत्ममुग्धता में चीन की कुटिल साम्राज्यवादी नियत को न समझ पाने का नतीजा था। पंचशील समझौता, सुरक्षा परिषद की सदस्यता चीन को देना और 'हिंदी-चीनी भाई-भाई' जैसे नारे अंत में भारत के लिए बेहद नुकसानदेह साबित हुए। ऊपर से अमेरिका के सामने पं।नेहरू द्वारा बार-बार मिन्नतें करने से देश की संप्रभुता और आत्मसम्मान को भी ठेस पहुंची।

अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के पूर्व अधिकारी ब्रूस रीडेल ने अपनी किताब जेएफके फॉरगॉटन क्राइसिस-तिब्बत, द सीआईए एंड द सीनो-इंडियन वॉर में पं।नेहरू द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ। कैनेडी को लिखे गुप्त खतों के कुछ हिस्से उजागर किए हैं। इन पत्राचारों में नेहरूजी ने लिखा था– हमें 12 स्क्वाड्रन सुपरसोनिक लड़ाकू विमानों की सख्त जरूरत है।।। हमारे पास आधुनिक राडार व्यवस्था नहीं है, इसलिए जब तक हमारे सैनिक तैयार नहीं हो जाते, तब तक इन विमानों और राडारों का संचालन अमेरिकी वायुसेना को करना होगा। साफ है कि तब नेहरूजी ने अमेरिका के सामने भारत का स्वाभिमान गिरवी रख दिया था।

इसी तरह वर्ष 1965 के युद्ध में जब भारतीय सेना लाहौर में पहुंच गई थी, तब अगले साल ताशकंद जाकर जो कुछ हमने जीता था, उसे सोवियत संघ (रूस) की मध्यस्थता में लौटा दिया गया। इस फैसले का रणनीतिक औचित्य आज तक साफ नहीं है। क्या इससे पाकिस्तान ने अपना रवैया बदला? नहीं। उल्टा, ताशकंद समझौते के दौरान प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्रीजी की रहस्यमयी मौत ने उस समझौते को और भी संदिग्ध बना दिया। इससे पहले, 1960 में नेहरूजी ने पाकिस्तान के साथ 'सिंधु जल समझौता' भी किया था, जो हमारे राष्ट्रीय हितों के खिलाफ था।

निसंदेह, वर्ष 1971 के युद्ध में भारत ने ऐतिहासिक फतह हासिल की और पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को घुटनों पर लाकर उसके 93,000 फौजियों को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर कर दिया था। परंतु शिमला संधि के तहत इंदिरा सरकार ने पाकिस्तान द्वारा कब्जाए कश्मीर के एक हिस्से (पीओके) पर कोई अंतिम निर्णय लिए बिना पाकिस्तानी युद्धबंदियों को रिहा कर दिया। युद्ध के दौरान इंदिराजी ने तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन को खत लिखकर पाकिस्तान की जंगबाज़ी रोकने की गुजारिश भी की थी।

यह अक्टूबर का माह है। 1947 में इसी महीने की 22 तारीख को अर्थात् स्वतंत्रता के लगभग दो माह पश्चात पाकिस्तान ने कबाइलियों के साथ मिलकर कश्मीर पर हमला कर दिया था। तब जम्मू-कश्मीर रियासत का अधिकांश मुस्लिम सैन्यबल इस्लाम के नाम पर शत्रुओं से जा मिला था। भारत में विलय की औपचारिकता पूरी होने के बाद जब भारतीय सेना ने मोर्चा संभाला और वह कश्मीर को अपने नियंत्रण में लेने लगी, तब पूरे कश्मीर को पाकिस्तानियों से मुक्त कराए बिना पं।नेहरू ने युद्धविराम और जनमत संग्रह की घोषणा कर दी। यदि यह तीन हिमालयी भूलें (गद्दारी सहित) नहीं हुई होती, तो आज कश्मीर की स्थिति कुछ और होती।

वास्तव में, दशकों तक स्वतंत्र भारत की विदेश नीति विदेशी विचारधारा से बंधी रही है। इसी वजह से भारत को बार-बार उन मुल्कों के आगे भी झुकना पड़ा, जो लंबे समय तक भारतीय हितों के खिलाफ खड़े थे। सालों तक भारत ने फिलिस्तीन और इस्लामी देशों का समर्थन किया, जबकि वह कश्मीर के मसले पर मजहब के नाम पर पाकिस्तान का साथ देते रहे। पिछले 11 वर्षों से भारतीय नेतृत्व इस पराजित मानसिकता से मुक्त है। सतत आर्थिक तरक्की के बीच भारतीय सेना अब किसी भी दुस्साहस का मुंहतोड़ उत्तर देने को स्वतंत्र है। सर्जिकल स्ट्राइक, सिंधु समझौते का स्थगन और 'ऑपरेशन सिंदूर'– इसका प्रत्यक्ष प्रमाण हैं।

यह निजी विचार है।

दीपोत्सव : आत्म-प्रकाश से समाज-प्रकाश का पर्व

लेखक: प्रो.(डा.) मनमोहन प्रकाश

दीपोत्सव भारत का सबसे आलोकित पर्व है, परंतु इसका अर्थ केवल दीप जलाना नहीं, बल्कि वह अंधकार मिटाना है जो हमारे अंतर्मन में स्वार्थ, ईर्ष्या और असहिष्णुता के रूप में घर कर गया है। जब मनुष्य का मन अंदर से धुँधला जाता है, तब बाहरी रोशनी भी फीकी पड़ने लगती है। इसलिए दीपोत्सव का सच्चा संदेश यही है कि पहले मन के अंधकार को दूर करें, तभी संसार वास्तव में प्रकाशमय बनेगा।

यह पर्व हमें यह भी स्मरण कराता है कि असली दीप बाहर नहीं, भीतर जलाना है-वह भी सत्य, करुणा और सेवा की ज्योति से। जिस दिन प्रत्येक व्यक्ति अपने अंतःकरण में सच्चाई,सहानुभूति और भाईचारे का दीप जलाएगा, उस दिन समाज अपने आप जगमगा उठेगा। वास्तव में दीपावली का आधार आत्मप्रकाश से समाजप्रकाश ही है।

यह पर्व भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में प्रकाश की विजय का प्रतीक है। यह हमें श्रीराम के अयोध्या लौटने की उस दिव्य रात्रि की याद दिलाता है, जब सत्य और धर्म का प्रकाश असत्य और अधर्म के अंधकार पर विजय प्राप्त करता है। तभी से दीपावली यह संदेश देती आई है कि प्रकाश का मार्ग ही मनुष्य का सच्चा मार्ग है।

आज जब भारतीय समाज जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र के नाम पर विभाजित होकर अविश्वास और असंवेदनशीलता की छाया में उलझा हुआ है, तब दीपोत्सव का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह केवल घर सजाने या मिठाई बाँटने का अवसर नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में उजाला बाँटने का अवसर है। यदि हम किसी जरूरतमंद के घर में मुस्कान पहुँचा सकें, किसी गरीब या वंचित बच्चे को दीपोत्सव मनाने का अवसर दे सकें, किसी निराश व्यक्ति को सहारा दे सकें या किसी वृद्धाश्रम में खुशियाँ बाँट सकें, तभी यह पर्व सच्चे अर्थों में सार्थक होगा।

दीपावली का प्रकाश हमें यह भी सिखाता है कि प्रकाश की कोई सीमा नहीं होती, वह सबका होता है और सबको समान रूप से आलोकित करता है। सूर्य से भी हमने किसी के भी साथ भेदभाव नहीं करना सीखा है। इसी प्रकार दीपोत्सव हमें केवल अपने सुख में सीमित रहने की नहीं, बल्कि दूसरों के सुख-दुःख में सहभागी बनने की प्रेरणा देता है।

आज के युग में इस पर्व का एक और महत्वपूर्ण संदेश है- पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी। जब हम अपने देश की मिट्टी से बने दीए जलाते हैं, स्थानीय कलाकारों द्वारा निर्मित प्राकृतिक सजावटी वस्तुओं का प्रयोग करते हैं और हरित आतिशबाजी से उत्सव मनाते हैं, तब हम न केवल प्रकृति के प्रति आभार प्रकट करते हैं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक विरासत का सम्मान भी करते हैं। वास्तव में संयमित, पर्यावरणङ्मित्र और स्वदेशी दीपावली ही हमारी सभ्यता की सच्ची पहचान है।

दीपावली का प्रकाश हमें यह बताने का प्रयास भी करता है कि सच्चा उत्सव तभी है जब मनुष्य का मन भीतर और बाहर दोनों से प्रफुल्लित होकर सत्य, सेवा और सद्भाव की लौ से अपना दीप जलाए। तभी समाज में स्थायी उजाला संभव है,जैसा कि उपनिषदों में कहा गया है ÷तमसो मा ज्योतिर्गमय।÷अर्थात, हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो।

अतः इस दीपावली पर केवल घर नहीं, मन भी रोशन करें, क्योंकि परिवर्तन की शुरुआत हमेशा भीतर से होती है, और वही आत्मिक प्रकाश अंततः सामाजिक प्रकाश में परिणत हो जाता है।

अफ्रीका और मध्य पूर्व में अभियानों में सेवारत भारतीय महिला अधिकारी सशक्तिकरण का वैश्विक प्रतीक

रक्षा मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र शांति सेना योगदानकर्ता प्रमुखों से कहा

शांति स्थापना की उभरती चुनौतियों से निपटने और वैश्विक शांति सुनिश्चित करने के लिए परामर्श बढ़ाने, सहयोग, समन्वय और क्षमता निर्माण महत्वपूर्ण है

卐उन्नत तकनीकी और वित्तीय संपन्न देशों को शांति अभियानों की संवहनीयता के लिए समर्थन बढ़ाने की आवश्यकता है卐

पीआईबी। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने शांति स्थापना की उभरती चुनौतियों से निपटने और वैश्विक शांति सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिक भेजने वाले देशों के बीच परामर्श बढ़ाने, सहयोग, समन्वय और क्षमता निर्माण के 4सी सूत्री मार्गदर्शक सिद्धांत का आह्वान किया है। रक्षा मंत्री नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में 14 से 16 अक्टूबर, 2025 तक पहली बार भारत द्वारा आयोजित किए जा रहे संयुक्त राष्ट्र सैन्य योगदानकर्ता देशों (यूएनटीसीसी) के शांति सेना प्रमुखों के सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व को संबोधित कर रहे थे।

रक्षा मंत्री ने शांति सैनिकों के समक्ष मौजूदा चुनौतियों की बढ़ती जटिलताओं का उल?लेख किया जिसमें कठिन परिस्थितियों में तैनाती से लेकर विषम युद्ध, आतंकवाद और अस्थिर राजनीतिक समझौते मौजूद होते हैं और उन?हें मानवीय संकटों, महामारियों या प्राकृतिक आपदाओं के बीच काम करने और गलत सूचना अभियानों तक का सामना करना पड़ता है। शांति अभियानों की संवहनीयता के लिए उन्होंने सदस्य देशों, विशेष रूप से उन्नत तकनीकी और संपन?न देशों से सैनिकों, पुलिस, प्रचालन साजो-सामान, प्रौद्योगिकी और विशेष क्षमताओं द्वारा समर्थन बढ़ाने का आग्रह किया। श्री राजनाथ सिंह ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सुरक्षित संचार, निगरानी प्रणाली और मानवरहित प्रणाली जैसे नवाचार शांति अभियान को अधिक सुरक्षित और प्रभावी बना सकते हैं। श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए सैन्य योगदानकर्ता देशों को वीरता, अनुकूलनशीलता और नवाचार से कहीं अधिक, प्रासंगिक राजनीतिक पक्षों, वित्तीय योगदान देने वाले देशों और संघर्ष के माहौल को प्रभावित करने वाले प्रमुख पक्षों को साथ लाने की आवश्यकता है। उन?होंने कहा कि ये अभियान अक्सर देर से शांति सेना तैनाती, अपर्याप्त संसाधनों और संघर्षों के मूल कारणों के समाधान हेतु अपर्याप्त अधिदेश की वजह से विफल हो जाते हैं। उन?होंने कहा कि हम समकालीन चुनौतियों का सामना पुराने बहुपक्षीय ढांचों से नहीं कर सकते। रक्षा मंत्री ने कहा कि व्यापक सुधारों के बिना, संयुक्त राष्ट्र विश्वास के संकट का सामना कर रहा है और आज की परस्पर जुड़ी दुनिया के लिए, हमें एक सुधारित बहुपक्षवाद की आवश्यकता है: जो वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करे; सभी हितधारकों को अपना पक्ष रखने की सबलता दे; समकालीन चुनौतियों का समाधान करे; तथा मानव कल्याण पर केंद्रित हो।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में हमेशा शामिल रहा है और इसी प्रतिबद्धता पर अडिग है। उन्होंने कहा कि दशकों से लगभग दो लाख 90 हजार भारतीय सैन?य कर्मियों ने 50 से अधिक संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में सेवा दी है और व्यावसायिक दक्षता, साहस और करुणा के लिए वैश्विक सम्मान अर्जित किया है। उन?होंने कहा कि कांगो और कोरिया से लेकर दक्षिण सूडान और लेबनान तक, हमारे सैनिक, पुलिस और चिकित्सा पेशेवर, कमज़ोर लोगों की रक्षा और समाज के पुनर्निर्माण के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ कंधे से हमेशा कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं। हम शांति स्थापना को अधिक प्रभावी और दायित?वपूर्ण बनाने के लिए सैनिकों के योगदान, विशेषज्ञता साझा करने और सुधारों के समर्थन के लिए तैयार हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि सहयोग और प्रौद्योगिकी साझाकरण द्वारा हम शांति अभियानों को बेहतर ढंग से सुसज्जित, अधिक अनुकूल और अधिक मानवीय बना सकते हैं।

श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि शांति स्थापना की सफलता केवल संख्या पर नहीं तैयारियों पर भी निर्भर करती है। उन्होंने नई दिल्ली स्थित संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना केंद्र का उल्लेख किया, जिसने 90 से अधिक देशों के प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया है। उन्होंने कहा कि भारत के पास मित्र देशों के शांति सैनिकों को प्रशिक्षण देने और उनके बीच पारस्परिक समझ विकसित करने की आवश्यक क्षमता है, जो शांति अभियानों की सफलता के लिए आवश्यक है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत विजन के तहत भारत ने कम लागत की स्वदेशी प्रौद्योगिकियां विकसित की हैं, जो थल गतिशीलता प्लेटफार्मों, सुरक्षित संचार, निगरानी प्रणाली, मानव रहित हवाई वाहन और चिकित्सा सहायता द्वारा शांति अभियानों को सुदृढ़ बनाती हैं।

श्री राजनाथ सिंह ने शांति स्थापना में महिलाकर्मियों की बढ़ती भागीदारी को सबसे प्रेरणादायक बदलाव बताया। उन्होंने कहा कि उनकी उपस्थिति अभियान की प्रभावशीलता बढ़ाती है, स्थानीय लोगों के साथ विश्वास स्थापित करती है और अभियान में सहानुभूति उत्पन्न करती है। शांति स्थापना में महिलाकर्मियों की भागीदारी में भारत अग्रणी रहा है। वर्ष 2007 में लाइबेरिया में तैनात हमारी महिला पुलिस इकाई सशक्तिकरण का वैश्विक प्रतीक बन गई। उनके व्यावसायिक रूख और करुणा ने लाइबेरियाई महिलाओं की एक पीढ़ी को अपने राष्ट्रीय पुलिस में शामिल होने को प्रेरित किया।

भारत ने गुवाहाटी में 8वें कोडेक्स समिति सत्र में मसाला मानकों में वैश्विक नेतृत्व को मजबूत किया

पीआईबी

मसालों और पाक-कला संबंधी जड़ी-बूटियों पर कोडेक्स समिति का आठवां सत्र 13 अक्टूबर को असम के गुवाहाटी में शुरू हुआ, जिसमें वैश्विक मसाला क्षेत्र में भारत की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन मसाला बोर्ड द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मसालों और पाक-कला संबंधी जड़ी-बूटियों के लिए समन्वित अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर चर्चा करने के लिए 27 देशों के 81 प्रतिनिधि एक साथ आए।

सत्र का उद्घाटन करते हुए असम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों का स्वागत किया और पूर्वोत्तर क्षेत्र की समृद्ध जैव विविधता और कृषि विरासत पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सीसीएससीएच का आठवां सत्र सहयोगात्मक विचार-विमर्श के माध्यम से गुणवत्ता मानकों को बढ़ाने के लिए नये रास्ते खोलेगा और एक सुरक्षित, स्थायी और सभी के लिए फायदेमंद खाद्य प्रणाली की नींव को मज़बूत करेगा। राज्यपाल ने उभरते मसाला केंद्रों के रूप में असम और पूर्वोत्तर की बढ़ती क्षमता को भी रेखांकित किया तथा इस बात पर ज़ोर दिया कि उन्नत प्रसंस्करण सुविधाओं, मूल्य संवर्धन और निर्यात संवर्धन पहलों से किसानों की आय में सुधार हो रहा है तथा इस क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक विकास को मिल रही है।

श्री आचार्य ने केंद्र सरकार और मसाला बोर्ड के संयुक्त प्रयासों की सराहना की, जो भारत की मसाला मूल्य श्रृंखला को मजबूत कर रहे हैं, घरेलू मानकों को वैश्विक बैंचमार्क के साथ संरेखित कर रहे हैं तथा दुनिया भर के उपभोक्ताओं के लिए खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित कर रहे हैं।

सभा को संबोधित करते हुए मसाला बोर्ड की सचिव, श्रीमती पी. हेमलता, आईएएस, ने कहा कि मसालों ने लंबे समय से वैश्विक व्यापार, संस्कृति और पाक-कला संबंधी परंपराओं को आकार दिया है। उन्होंने कहा कि काली मिर्च, इलायची, हल्दी, दालचीनी और लौंग जैसे मसाले न केवल स्वाद, बल्कि सभ्यताओं के सांस्कृतिक सार और विरासत का प्रतिनिधित्व करते हैं। खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी में तीव्र प्रगति के बीच सामंजस्यपूर्ण और विज्ञान-आधारित वैश्विक मानकों की बढ़ती आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि व्यापार में सुरक्षा, निष्पक्षता और उपभोक्ता विश्वास सुनिश्चित करने के लिए एकीकृत मानक अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

भारत 15 अक्टूबर 2025 से यूएसए के लिए अंतरराष्ट्रीय डाक सेवाएं फिर से शुरू करेगा

पीआईबी

भारत सरकार के संचार मंत्रालय के डाक विभाग को यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि 15 अक्टूबर 2025 से संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) के लिए सभी श्रेणियों की अंतरराष्ट्रीय डाक सेवाएं फिर से शुरू हो जायेंगी।

संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रशासन द्वारा जारी कार्यकारी आदेश 14324 के बाद, 22 अगस्त 2025 के कार्यालय ज्ञापन के जरिए संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए डाक सेवाओं को पहले निलंबित कर दिया गया था। इसके तहत सभी डाक शिपमेंट के लिए न्यूनतम व्यवहार को निलंबित कर दिया गया था। आयात शुल्क के संग्रहण और प्रेषण के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा (सीबीपी) द्वारा शुरू की गई नई नियामक संबंधी आवश्यकताओं के कारण यह निलंबन आवश्यक हो गया था।

व्यापक प्रणाली विकास, सीबीपी द्वारा अनुमोदित योग्य पक्षों के साथ समन्वय और दिल्ली एवं महाराष्ट्र सर्किलों में संचालन संबंधी सफल परीक्षणों के बाद, भारतीय डाक ने अब डिलीवरी ड्यूटी पेड (डीडीपी) प्रक्रिया के लिए एक अनुपालन तंत्र स्थापित कर लिया है। इस नई व्यवस्था के तहत, संयुक्त राज्य अमेरिका को भेजे जाने वाले शिपमेंट पर सभी लागू सीमा शुल्क बुकिंग के समय भारत में अग्रिम रूप से वसूल किए जायेंगे और अनुमोदित योग्य पक्षों के माध्यम से सीधे सीबीपी को भेज दिए जायेंगे। इससे पूर्ण नियामक अनुपालन, तेज सीमा शुल्क निकासी और बिना किसी अतिरिक्त शुल्क या देरी के संयुक्त राज्य अमेरिका में दिए गए पते पर निर्बाध डिलीवरी सुनिश्चित होगी।

सीबीपी दिशानिर्देशों के अनुसार, भारत से संयुक्त राज्य अमेरिका भेजे जाने वाले डाक शिपमेंट पर, अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम (आईईईपीए) टैरिफ (मूल देश भारत के साथ) के तहत घोषित एफ्ओबी मूल्य के 50 प्रतिशत की एक समान दर से सीमा शुल्क लागू होता है। कूरियर या वाणिज्यिक खेपों के उलट, डाक वस्तुओं पर कोई अतिरिक्त आधार या उत्पाद-विशिष्ट शुल्क नहीं लगाया जाता है। यह अनुकूल शुल्क संरचना निर्यातकों के लिए समग्र लागत संबंधी भार को काफी हद तक कम करती है, जिससे डाक माध्यम एमएसएमई, कारीगरों, छोटे व्यापारियों और ई-कॉमर्स निर्यातकों के लिए एक अधिक किफायती और प्रतिस्पर्धी लॉजिस्टिक्स संबंधी विकल्प बन जाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि डाक विभाग डीडीपी और योग्य पक्ष सेवाओं की सुविधा के लिए ग्राहकों पर कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगाएगा।

(14कैप्शन11)लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला और मंगोलिया के राष्ट्रपति, श्री खुरेलसुख उखना के साथ नई दिल्ली में नए संसद भवन का दौरा करते हुए।

(14कैप्शन14)नई दिल्ली में मानेकशॉ सेंटर में चीफ्स कॉन्क्लेव के उद्घाटन सत्र में एकत्रित होते हुए लोगों को श्री राजनाथ सिंह संबोधित करते हुए।

आईआईसीए ने अगली पीढ़ी के वैश्विक मध्यस्थता पेशेवरों के निर्माण के लिए प्रमाणित मध्यस्थता कार्यक्रम (आईसीएपी) के पहले बैच का समापन किया

संस्थागत मध्यस्थता के माध्यम से मध्यस्थता परिदृश्य का मानकीकरण समय की मांग है: महानिदेशक एवं सीईओ, आईआईसीए

पीआईबी

आईआईसीए प्रमाणित मध्यस्थता कार्यक्रम (आईसीएपी) के पहले बैच का समापन सत्र 12 अक्टूबर 2025 को आईआईसीए परिसर, मानेसर में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन भारतीय कॉर्पोरेट मामलों के संस्थान, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार के वैकल्पिक विवाद समाधान उत्कृष्टता केंद्र (सीईएडीआर) द्वारा किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वैश्विक मध्यस्थता पेशेवरों की अगली पीढ़ी का एक समूह तैयार करना था। दो दिवसीय कैंपस इमर्शन और समापन सत्र का उद्घाटन 11 अक्टूबर 2025 को इंडिया इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन सेंटर के अध्यक्ष न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता ने किया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति गुप्ता ने भारत में मध्यस्थता इको-सिस्टम को मज़बूत करने में आईआईसीए के योगदान की सराहना की। इसके अलावा, भारत के आर्थिक विकास को देखते हुए उन्होंने निवेशकों का विश्वास जीतने के लिए एक मज़बूत वैकल्पिक विवाद समाधान प्रणाली बनाने पर जोर दिया। उन्होंने भारत में मध्यस्थता कार्यवाही के सुव्यवस्थित और प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत मध्यस्थता की आवश्यकता पर भी बल दिया। आईआईसीए के महानिदेशक एवं सीईओ श्री ज्ञानेश्वर कुमार सिंह ने मुख्य अतिथि, विधि एवं न्याय मंत्रालय के सचिव (विधायी विभाग) डॉ. राजीव मणि और विशिष्ट अतिथि, विधि एवं न्याय मंत्रालय के पूर्व विधि सचिव प्रो. पी.के. मल्होत्रा ??का स्वागत एवं अभिनंदन किया। श्री सिंह ने स्वागत भाषण में मध्यस्थता पर किए गए विभिन्न अध्ययनों की जानकारी दी और भारत में संस्थागत मध्यस्थता के माध्यम से मध्यस्थता परिदृश्य को मानकीकृत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने मध्यस्थता निर्णयों की प्रवर्तनीयता से संबंधित मुद्दों के साथ-साथ ऐसे मुद्दों को कम करने के उपायों पर भी चर्चा की।

विधि एवं न्याय मंत्रालय के पूर्व विधि सचिव, प्रो. पी.के. मल्होत्रा ??ने अपने संबोधन में भारत में मध्यस्थता पेशेवरों की क्षमता और अपार संभावनाओं को स्वीकार किया। साथ ही इसके सहायक इको-सिस्टम की कमी पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने भारतीय मध्यस्थता परिषद की स्थापना के महत्व पर भी जोर दिया, जिससे इसके प्रभावी संचालन के लिए आवश्यक परिवर्तन किए जा सकें। विधि एवं न्याय मंत्रालय के सचिव (विधायी विभाग) डॉ. राजीव मणि ने समापन भाषण में, भारतीय संवैधानिक इतिहास के संक्रमण काल ??में संविधान निर्माताओं द्वारा कुछ मामलों में मध्यस्थता को प्राथमिकता दिए जाने के बारे में कम ज्ञात तथ्यों का उल्लेख किया।

इसके साथ ही विवाद समाधान के एक

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने जयपुर-उदयपुर रेल मार्ग और उदयपुर एवं राजसमंद शहर (राजस्थान) में मोबाइल नेटवर्क की गुणवत्ता का आकलन किया

पीआईबी

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने सितंबर 2025 माह के दौरान राजस्थान लाइसेंस सेवा क्षेत्र में जयपुर-उदयपुर रेल मार्ग तथा उदयपुर एवं राजसमंद शहर में किये गए स्वतंत्र ड्राइव परीक्षण (आईडीटी) के निष्कर्ष जारी किए हैं। इस ड्राइव परीक्षण का उद्देश्य दूरसंचार सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई जा रही मोबाइल नेटवर्क सेवाओं की वास्तविक गुणवत्ता का आकलन करना है। इस दौरान ट्राई द्वारा सभी सेवा प्रदाताओं के सिम कार्ड्स का उपयोग कर 2जी, 3जी, 4जी और 5जी नेटवर्क पर कॉल सेटअप सफलता दर, डेटा डाउनलोड एवं अपलोड गति, वॉयस गुणवत्ता आदि प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों पर डेटा एकत्र किया गया। यह डेटा उन्नत सॉफ्टवेयर उपकरणों की सहायता से विश्लेषित किया गया है तथा परिणाम उपभोक्ताओं को सूचित करने एवं सेवा प्रदाताओं को अपनी सेवाओं में सुधार हेतु प्रोत्साहित करने के लिए प्रकाशित किये गये। ट्राई ने अपनी नियुक्त एजेंसी के माध्यम से 1 सितंबर, 2025 से 4 सितंबर, 2025 के दौरान राजस्थान में जयपुर से उदयपुर तक 430.7 किलोमीटर के रेल मार्ग तथा उदयपुर और राजसमंद शहर में 313.1 किलोमीटर के सिटी ड्राइव, 10 हॉटस्पॉट स्थानों को कवर करते हुए विस्तृत ड्राइव परीक्षण आयोजित किए।

राज्य सलाहकार श्रीमती मोनिका सिंह ने बम्हनीडीह जनपद के ग्रामों का किया

गाँव की संपूर्ण स्वच्छता के लिये, प्रत्येक ग्रामीण को इस दिशा में कदम बढ़ाना होगा - राज्य सलाहकार श्रीमती मोनिका सिंह

जांजगीर-चांपा

छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव एवं स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत आज स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण राज्य सलाहकार एवं बिलासपुर संभाग प्रभारी श्रीमती मोनिका सिंह ने जनपद पंचायत बम्हनीडीह के ग्राम पंचायत पिपरदा, पुछेली, खपरीडीह, सोनाईडीह एवं गोविंदा का भ्रमण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी स्वच्छाग्राही से गांव में हो रहे कचरा कलेक्शन के गीले और सूखे कचरे के पृथकीकरण के विषय में विस्तार से चर्चा किया। ग्रामीणों द्वारा घर से देने वाले कचरे को अलग अलग करने हेतु आग्रह एवं सभी लोगो को प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि अपने गाँव की संपूर्ण स्वच्छता के लिये, प्रत्येक नागरिक को स्वच्छता कि दिशा में कदम बढ़ाना होगा। उन्होंने यूजर चार्जेस एवं प्रोत्साहन राशि के विषय में चर्चा कर स्वच्छाग्रहियों का उत्साहवर्धन किया। साथ ही गांव में निर्मित सामुदायिक शौचालय का निरीक्षण कर उनके निरंतर उपयोग व रखरखाव के बारे में जानकारी ली। इस दौरान स्वच्छाग्रही के अध्यक्ष ,सचिव, समूह की दीदियां व गांव के सरपंच, सचिव, ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

लंबे समय से अपहृत हुए नाबालिग बालिका को अकलतरा पुलिस ने खोज निकाला

आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा गया न्यायिक रिमांड पर

जांजगीर चांपा / लंबे समय से अपहृत नाबालिग बालिका को अकलतरा पुलिस ने खोज निकाला है और झांसा देकर भगा ले जाने के आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में जेल भेज दिया है।

मामले का विवरण इस प्रकार है कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा नाबालिक बालिका को वर्ष 2023 में बहला फुसलाकर कर भगा ले गया था जिसकी सूचना रिपोर्ट पर थाना अकलतरा में अपराध क्रमांक 06/2023 धारा 363 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया था ।

अपहृत नाबालिका एवं आरोपी की थाना अकलतरा पुलिस द्वारा लगातार पातासाजी की जा रही थी। इसी कड़ी *पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पाण्डेय द्धक्क* के निर्देशन थाना अकलतरा पुलिस द्वारा *आरोपी* गोपाल सोनझरी निवासी पडरिया को पकड़ा जिसको हिरासत मे लेकर पूछताछ करने पर अपहृता को शादी करने का झांसा देकर बहला फुसलाकर भगा ले जाकर अनाचार करना जुर्म स्वीकार करने से विधिवत न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया । उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक भास्कर शर्मा, प्र.आर. शरीफुद्दीन, जयप्रकाश रात्रे का सराहनीय योगदान रहा।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान का विधानसभा स्तरीय सम्मेलन जांजगीर मे आज

छग शासन के मंत्री गजेंद्र यादव होंगे कार्यक्रम के मुख्य अभ्यागत

जांजगीर चांपा / आज 15 अक्टूबर दिन बुधवार को दोपहर 1:30 बजे भाजपा कार्यालय जांजगीर मे जांजगीर चाम्पा विधानसभा के कार्यकर्ताओ को शिक्षा मंत्री व अतिथिगण संबोधित करेंगे ।

कार्यक्रम मे अतिथि के रूप मे किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर , जिला संगठन प्रभारी गिरधर गुप्ता , सांसद कमलेश जांगड़े , पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल , पूर्व सांसद कमला पाटले ,जिलाध्यक्ष अंबेश जांगड़े , अशोक चावलानी जिला सहसंगठन प्रभारी , पूर्व जिलाध्यक्ष लीलाधर सुल्तानिया , पूर्व जिलाध्यक्ष गुलाब चंदेल की उपस्थिति मे सम्पन्न होगा । उक्त कार्यक्रम मे जिलाध्यक्ष अंबेश जांगड़े ने कार्यक्रम मे जांजगीर चाम्पा विधानसभा के सभी देवतुल्य कार्यकर्ताओ से अधिक से अधिक संख्या मे शामिल होने का आग्रह किया है । कार्यक्रम मे भाजपा के सभी जिला पदाधिकारीगण जांजगीर चाम्पा विधानसभा के सभी मंडल अध्यक्ष गण हितेश यादव , ध्वजाराम साहु , समर्थ सिंह ,संतोष थवाईत व सभी महामंत्रीगण व संकल्प अभियान के संयोजक सहसंयोजक कार्यक्रम की तैयारी मे लगे हुए है । उक्ताशय की जानकारी भाजपा के जिला उपाध्यक्ष व मीडिया विभाग का प्रभार देख रहे पंकज अग्रवाल ने दी है ।

ड्रिंक एंड ड्राइव के विरुद्ध पुलिस द्वारा जिले में सख्त कार्रवाई

अलग अलग जगहों से 3 शराबी वाहन चालक पकड़ाए

जांजगीर चांपा / ड्रिंक एंड ड्राइव के विरूद्ध पुलिस द्वारा जिले में सख्त कार्रवाई की जा रही है जिसमें अलग अलग जगह तीन शराबी वाहन चालकों को पकड़ा गया है । इसके अतिरिक्त सघन वाहन चेकिंग के दौरान तेज गति (ओवरस्पीडिंग) से वाहन चलाने, बिना हेलमेट के मोटर सायकल चलाने, ट्रिपलिंग सवारी मो.सायकल में एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करते पाए जाने पर इस प्रकार 37 वाहन चालकों के विरूद्ध कार्यवाही कर समन शुल्क लिया गया है। मालवाहक गाड़ियों में सवारी बैठाकर ले जाने वाले एवं तेज गति (ओवरस्पीडिंग) वाहन चालकों एवं शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध लाइसेंस निलंबन की कार्यवाही की जा रही है। यह कार्यवाही सड़क दुर्घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए उचित बचाव के लिए की जा रही है। दूसरी तरफ शराबी वाहन चालकों के वाहनों को जप्त कर उनके विरूद्ध धारा 185 मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई है, जिसे माननीय न्यायालय में पेश किया जा रहा है । ज्ञात हो कि पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) उदयन बेहार के नेतृत्व में यातायात पुलिस जांजगीर चांपा द्वारा जिले में सड़क दुर्घटना में कमी लाने एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध लगातार मोटर अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में आज दिनांक 13 अक्टूबर 2025 को सघन वाहन चेकिंग किया गया। जिसमें 3 व्यक्तियों के द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने पाए जाने पर चालकों के विरूद्ध के धारा 185 m1 act के तहत कार्यवाही करते हुए वाहनों को जप्त किया जाकर माननीय न्यायालय में पेश किया गया।

लायंस इंग्लिश हायर सेकेंडरी स्कूल का गौरव छात्र विशाल राठौर ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हासिल किया द्वितीय स्थान

जांजगीर चांपा। 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में लायंस इंग्लिश हायर सेकेंडरी स्कूल, चांपा के छात्र विशाल राठौर ने 19 वर्ष बालक वर्ग हैंडबॉल प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं शहर का नाम गौरवान्वित किया।

इस उपलब्धि पर विद्यालय के लायन रामप्रपन्न देवांगन (चेयरमैन, लायंस एजुकेशनल सोसाइटी, चांपा), तथा लायंस क्लब चांपा के अध्यक्ष लायन संतोष सोनी ने छात्र विशाल राठौर और उनके पीटीआई गौरव खटकवार को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि मेहनत, अनुशासन और लगन का परिणाम है तथा आने वाले विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। विद्यालय परिवार ने भी इस सफलता पर गर्व व्यक्त करते हुए विशाल राठौर को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

04-04 लाख रूपए सहायता राशि स्वीकृत

बालोद । अपर कलेक्टर ने आदेश जारी कर राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड 06 क्रमांक 04 के तहत् जिले में प्राकृतिक आपदा नैसर्गिक विपत्तियों के कारण 02 मृत व्यक्ति के परिवार (निकटतम वारिस) को आर्थिक सहायता अनुदान दिए जाने के प्रावधानों अनुसार 04-04 लाख रूपए आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत किया है। अपर कलेक्टर ने संबंधित तहसीलदारों को निर्देशित किया है कि वे स्वीकृत राशि का आहरण एवं भुगतान मृतकों के निकटतम वारिस को करने के निर्देश दिए हैं। जारी आदेश में मृतक श्रीमती देवारिन बाई के पति श्री कुंवर सिंह ग्राम कोटागांव तहसील डौण्डी एवं मृतक श्री गुलेश्वर के पिता श्री शत्रुघ्न ग्राम मरकाटोला डौण्डी को 04-04 लाख रूपये स्वीकृत किया गया है।

कलेक्टर ने साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागीय योजनाओं की समीक्षा की

जांजगीर-चांपा /कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक ली। बैठक में कलेक्टर ने जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों की गंभीरता से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का त्वरित समाधान शासन की प्राथमिकता है, अतः प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लें और समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें।

बैठक में कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आगामी छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस कार्यक्रमों की तैयारी के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य शासन के निर्देशानुसार विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस के अवसर पर जिले में 02 नवंबर से 04 नवंबर 2025 तीन दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा शासन की उपलब्धियों, योजनाओं एवं परियोजनाओं पर आधारित विकास प्रदर्शनी लगाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। साथ ही, स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित की जाएँ, जिनमें छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति की झलक दिखाई दे। उन्होंने 01 से 05 नवंबर 2025 तक सभी जिला मुख्यालयों के शासकीय भवनों पर रोशनी करने के निर्देश दिए। साथ ही निजी संस्थानों को भी भवनों में रोशनी करने हेतु प्रोत्साहित करने कहा। स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान शासन की कल्याणकारी योजनाओं एवं हितग्राही मूलक योजनाओं से पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित किया जाएगा। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित करें। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक ग्रामीण परिवार इस योजना से जुड़ें। पात्र हितग्राहियों को आवेदन प्रक्रिया, सब्सिडी की सुविधा और जनसमर्थ पोर्टल के जरिए मिलने वाले बैंक ऋण की जानकारी स्पष्ट रूप से दी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि पंचायत स्तर पर बैठकें आयोजित कर ग्रामीणों को जागरूक किया जाए तथा नोडल अधिकारी सुनिश्चित करें कि योजना की जानकारी हर घर तक पहुँचे।

कलेक्टर ने जिले में आगामी धान खरीदी की तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि धान खरीदी केंद्रों की व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग करें। किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले के किसानों का ई-केवाईसी आधार सीडिंग कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि किसानों से सीधे संपर्क स्थापित कर जिन किसानों की ई-केवाईसी एवं आधार सीडिंग अभी तक लंबित है, उन्हें शीघ्र पूरा कराया जाए ताकि किसी भी किसान को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाई न हो।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि चिरायु टीम लगातार और सतत रूप से स्कूलों में जाकर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि बच्चों का प्रारंभिक स्वास्थ्य परीक्षण नियमित रूप से और समय पर किया जाना अत्यंत आवश्यक है ताकि बीमारियों का शीघ्र पता लगाकर उनका उपचार किया जा सके। कलेक्टर ने यह भी कहा कि सभी स्कूलों में चिरायु टीम के दौरे की मॉनिटरिंग रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत की जाए।

छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस: 02 से 04 नवंबर तक तीन दिवसीय जिला स्तरीय कार्यक्रम का होगा आयोजन

, तैयारियों के संबंध में दिए आवश्यक दिशा निर्देश

संवाददाता

कलेक्टर ने आयुष्मान कार्ड और वय वंदना योजना के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि हर पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनना चाहिए ताकि उसे निःशुल्क उपचार सुविधा का लाभ मिल सके। कलेक्टर ने राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए नामांतरण, बटांकन, खसरा, जाति प्रमाण पत्र सहित विभिन्न राजस्व प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर समय सीमा निराकरण करने के निर्देश सभी संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में उन्होंने छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव, मनरेगा, किसान सम्मान निधि योजना, पीएम आवास योजना सहित विभिन्न विषयों पर समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में वनमंडलाधिकारी श्री हिमांशु डोंगरे, जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेंद्र सिंह ठाकुर, अपर कलेक्टर श्री आर के तंबोली सहित जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, रायपुर छत्तीसगढ़

अल्पकालिक निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा क्र. 77/नि.शा./का.अ./लो.स्वा.यां./खण्ड, रायपुर, दिनांक 13.10.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत श्रेणी "डी" एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है:-

स. क्र.	कार्य का नाम	राशि (रू.लाख में)
1	ग्राम तुता नवा रायपुर में दिनांक 01.11.2025 से 05.11.2025 तक आयोजित होने वाले राज्योत्सव एवं राज्य अलंकरण समारोह में जल जीवन मिशन से संबंधित एकलग्राम नलजल प्रदाय योजना के प्रदर्शन हेतु पोस्टर, प्रिंटिंग, फ्रेम, डेकोरेशन-गमला, फूल,घांस तथा साउण्ड सिस्टम लगाने का कार्य।	4.40
2	ग्राम तुता नवा रायपुर में दिनांक 01.11.2025 से 05.11.2025 तक आयोजित होने वाले राज्योत्सव एवं राज्य अलंकरण समारोह में जल जीवन मिशन से संबंधित एकलग्राम नलजल प्रदाय योजना के प्रदर्शन हेतु लाईटिंग, स्टॉल, पोस्टर लगाने का कार्य।	3.22

उपरोक्त कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति व अन्य जानकारी कार्यालयीन समय में निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 16.10.2025 सायं 5.30 बजे तक प्राप्त की जा सकती है।

G-252604168-3

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड,
रायपुर छत्तीसगढ़

सैनिक स्कूल अंबिकापुर में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 30 अक्टूबर तक आमंत्रित

जांजगीर-चांपा 14 अक्टूबर 2025/ छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर स्थित सैनिक स्कूल में शिक्षा सत्र 2026-27 हेतु कक्षा 6वीं एवं 9वीं में प्रवेश के लिए अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित की जाएगी। सैनिक स्कूल अम्बिकापुर में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की अधिकारिक वेबसाईट www.nta.ac.in एवं httpsÑ//e&am.nta.ac.in/sainik-school-society पर 30 अक्टूबर 2025 शाम 5 बजे तक आवेदन आमंत्रित किया गया है।

जिले में पामगढ के 59 ग्राम पंचायत एवं नगर पंचायत बलौदा व खरौद को किया गया बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय घोषित

7 दिवस के भीतर दावा-आपत्ति आमंत्रित

जांजगीर-चांपा / संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार ऐसे ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायो में जहां विगत दो वर्षो में बाल विवाह का प्रकरण ना हुआ हो, उन्हे बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत एवं बाल विवाह मुक्त नगरीय निकाय घोषित किया जाना है।जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग ने बताया कि जांजगीर-चांपा में जिले में पामगढ से 59 ग्राम पंचायतो में एवं नगर पंचायत बलौदा 01 व नगर पंचायत खरौद 01 नगरीय निकायो में नियमानुसार विगत दो वर्षो में बाल विवाह का प्रकरण नही होने संबंधी दस्तावेज प्राप्त हुये है।

खास खबर

कृषि विज्ञान केन्द्र में कृषि धन-धान्य योजना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संवाद का हुआ सीधा प्रसारण

कोरबा। कृषि विज्ञान केन्द्र, कोरबा द्वारा कृषि धन-धान्य योजना परप्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संवाद का सीधा प्रसारण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 2100 विभिन्न योजनाओं का शिलान्याश किया गया।इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न ग्रामों से लगभग 84 कृषक प्रतिभागी के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. एस, एस, पोर्ते अधिष्ठाता, कृषि अनुसंधान अधिसंस्थान (सीएआरएस)कटघोरा रहे। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, फसल विविधिकरण एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों के अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि कृषि धन-धान्य योजना किसानों की आय बढ़ाने और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।इस अवसर पर केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ एस पी सिंह ने किसानों को योजना के अंतर्गत विभिन्न लाभों, कृषि नवाचारों तथा प्राकृतिक खेती के महत्व की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में किसानों के प्रश्नों के समाधान हेतु खुला संवाद सत्र आयोजित किया गया।कार्यक्रम में कृषि विभाग से श्री एमपी सिंह, पशु विभाग से डॉ. इंद्र कुमार पटेल अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण एवं कृषि विज्ञान केंद्र के समस्त स्टाफ कार्यक्रम में उपस्थित रहे कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में किया गया

कुसमुंडा क्षेत्र ने जीता एसईसीएल की अंतरक्षेत्रिय बॉडी बिल्डिंग,पावर लिफ्टिंग और वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता का खिताब

कोरबा। एसईसीएल द्वारा आयोजित अंतरक्षेत्रिय बॉडी बिल्डिंग, पावर लिफ्टिंग एवं वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता का समापन उत्साहपूर्वक हुआ। दो दिवसीय यह प्रतियोगिता जेआरसी भवन में संपन्न हुई, जिसमें एसईसीएल के विभिन्न क्षेत्रों की टीमों ने भाग लेकर अपनी शक्ति और प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दमखम और फिटनेस का शानदार प्रदर्शन किया। कड़े मुकाबले के बाद कुसमुंडा क्षेत्र की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। समापन अवसर पर मुख्य अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी और प्रमाणपत्र प्रदान किए तथा उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम में खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों की अच्छी-खासी उपस्थिति रही।

अवैध शराब बेचने वाले दो आरोपी पकड़ाये

बिलासपुर,। जिले की थाना कोटा पुलिस ने अवैध रूप से शराब बिक्री करने वाले 2 आरोपीयों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 19 लीटर महुआ शराब जप्त किया है। आरोपीयों के विरुद्ध आबकारी एक्ट की धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जेल भेजा गया है।

शिक्षा में डिजिटल क्रांति- 1100 विद्यालयों को मिलेगी स्मार्ट टीवी की सौगात

बिलासपुर संवाददाता।

शासकीय विद्यालयों में विशेष कर प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा को बढ़ावा देने एवं उसे रुचि कर बनानें के उद्देश्य से जन सहयोग के माध्यम से जिले के लगभग 1100 विद्यालयों में स्मार्ट टी0व्ही उपलब्ध कराया जाएगा। शिक्षा में डिजिटल क्रांति के तहत बिलासपुर जिले के विकासखण्ड बिल्हा के 25 स्कूलों में स्मार्ट टीवी वितरण किया गया, जिससे बच्चे मनोरंजक ढंग से शिक्षा प्राप्त कर सकेगें।

बिल्हा विकासखण्ड में 50 स्मार्ट टी0व्ही श्री नरेश अग्रवाल प्रबंधक मंगल पावर एवं इस्पात बिल्हा के द्वारा प्रदान किया गया है, जिसके प्रथम चरण में आज 25 स्मार्ट टी0व्ही विद्यालयों को प्रदान किया गया है। इस प्रकार शेष विद्यालयों को शीघ्र ही स्मार्ट टी0व्ही0 उपलब्ध कराया जायेगा। शिक्षा को बढ़ावा देने एवं उसे बच्चों में रुचि कर बनानें के उद्देश्य से जन सहयोग के माध्यम से जिले मार्ट टी0व्ही सेट उपलब्ध्ण कराया जा रहा है। बच्चों को डिजिटल एवं ई-क्लास के माध्यम से रुचिकर कर शिक्षा प्रदान की जायेगी, जिससे बच्चों का विद्यालय ओर अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ेगी।

शिक्षा में डिजिटल क्रांति- 1100 विद्यालयों को मिलेगी स्मार्ट टीवी की सौगात

सम्पर्क फॉउडेशन नई दिल्ली द्वारा लगभग 1100 विद्यालयों को निःशुल्क सम्पर्क टी0व्ही डिवाईस भी उपलब्ध कराया जा रहा हैं, जिसके माध्यम से बच्चे मनोरंजक ढंग से शिक्षा प्राप्त कर सकेगें। इस कार्यक्रम में सीईओ जिला पंचायत बिलासपुर, कमिश्नर नगर निगम बिलासपुर प्रबंधक मंगल पावर एवं इस्पात बिल्हा, डी0एम0सी0 समग्र शिक्षा बिलासपुर सहित अधिकारी उपस्थित रहे । ज्ञातव्य है कि इसके पूर्व 7 अक्टूबर को प्रथम चरण में नगर पालिक निगम बिलासपुर द्वारा शहरी क्षेत्र के 31 शासकीय प्राथमिक शालाओं को स्मार्ट टी0व्ही0 का वितरण किया गया। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की पहल से जन सहयोग द्वारा विद्यालयों को लगातार स्मार्ट टी0 व्ही0 उपलब्ध लगातार कराया जा रहा है। बच्चों को डिजिटल एवं ई-क्लास के माध्यम से रुचिकर कर शिक्षा प्रदान की जायेगी जिससे बच्चों का विद्यालय के प्रति रुचि बढ़ेगी।

एसईसीएल ने विशेष अभियान 5.0 के तहत लगभग 37 लाख वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र को मुक्त करने किया लक्ष्य

कोरबा साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने अपने प्रचालनगत और प्रशासनिक स्थानों पर स्वच्छता, दक्षता और अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ाने के लिए एक व्यापक योजना के साथ अपना महत्वाकांक्षी विशेष अभियान 5.0 आरंभ किया है।

अभियान के तहत, एसईसीएल ने छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में फैले 203 चिन्हित स्थलों पर 37,50,000 वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र को स्वच्छ और पुनर्जीवित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस पहल का उद्देश्य कार्यालयों, खदानों और कॉलोनियों में स्थायी हाउसकीपिंग कार्यप्रणालियां सुनिश्चित करना तथा कार्यस्थल की स्वच्छता और सौंदर्य में सुधार करना है। विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत प्रमुख लक्ष्यः-

ऽलगभग 37.5 लाख वर्ग फीट क्षेत्रफल वाले 203 स्थलों की सफाई और रखरखाव लगभग 3,000 मीट्रिक टन स्क्रैप सामग्री का सुरक्षित निपटान

ऽ 2,000 वास्तविक फाइलों और 6,500 ई-फाइलों की विस्तृत समीक्षा

ऽ कंपनी के भीतर रचनात्मकता और चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए अपशिष्ट से सर्वश्रेष्ठ कलाकृतियों का निर्माण यह अभियान प्रणालीगत फाइल समीक्षा और समापन के माध्यम से डिजिटल दस्तावेजीकरण कार्यप्रणालियों और कुशल परिसंपत्ति प्रबंधन के एकीकरण पर भी जोर देता है, जो स्वच्छता और शासन में दक्षता के लिए भारत सरकार के व्यापक विजन के अनुरूप है। उल्लेखनीय हैं की पिछले वर्ष विशेष अभियान 4.0 के दौरान, एसईसीएल ने कई श्रेणियों में अपने लक्ष्यों को पार किया। जिसके अंतर्गत सफाई स्थलों की संख्या, खाली की गई जगह और स्क्रैप निपटान के मामले में सभी कोयला सार्वजनिक उपक्रमों में कंपनी ने शीर्ष स्थान हासिल किया। कंपनी ने लोक-संपर्क और दृश्यता में भी अग्रणी स्थान अर्जित किया, कोल इंडिया की सभी सहायक कंपनियों में सबसे अधिक ट्वीट और प्रेस विज्ञप्तियां दर्ज कीं, जिससे अभियान के क्रियान्वयन और संचार में राष्ट्रीय स्तर पर एक मानक स्थापित हुआ।

बाज़ारों एवं भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में पुलिस की उपस्थिति बढ़ाई गई, आईटीएमएस कैमरों से भी निगरानी की जा रही है

आगामी त्यौहार के मद्देनज़र बिलासपुर पुलिस की सक्रियता एवं विज़िबल पुलिसिंग को बढ़ाया गया – शहर में रात्रिकालीन चेकिंग एवं पैदल पेट्रोलिंग की जा रही है

बिलासपुर, संवाददाता।

आगामी दीपावली त्यौहार के दृष्टिगत बिलासपुर पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने हेतु सक्रियता बढ़ाते हुए विज़िबल पुलिसिंग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शहर में नागरिकों को पुलिस की सतत उपस्थिति महसूस हो, इसके लिए प्रत्येक थाना क्षेत्र में रात्रिकालीन वाहन चेकिंग, पैदल पेट्रोलिंग, बाइक पेट्रोलिंग एवं फ्रिक्स पॉइंट पर बल की तैनाती की जा रही है। समस्त थाना प्रभारियों एवं राजपत्रित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के बाज़ारों, प्रमुख मार्गों एवं भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर निरंतर पेट्रोलिंग करें, ताकि शांति, सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे। पुलिस द्वारा पुराने आदतन बदमाशों एवं संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की जा रही है। वहीं शहर में लगे आईटीएमएस कैमरों से भी निगरानी की जा रही है, रीयल-टाइम फुटेज संदिग्ध गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देशन में असामाजिक तत्वों के विरुद्ध योजनाबद्ध कार्रवाई की जा रही है और सभी अधिकारियों को सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए हैं।

बिलासपुर पुलिस नागरिकों से अपील करती है कि वे दीपावली पर्व शांति, सौहार्द एवं सुरक्षित वातावरण में मनाएं, तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत डायल 112 या नजदीकी थाना को दें।

एचटीपीएस में एक हजार कर्मचारियों को दिया गया विद्युत, अग्नि एवं रसायन संरक्षा प्रशिक्षण

कोरबा । हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम में कर्मचारियों एवं श्रमिकों को बाह्य संस्थान द्वारा संरक्षा प्रशिक्षण (ैमिजल ज्तंपदपदह ठल म्गजमतदंस प्देजपजनजपवद) दिया गया। 9 से 11 अक्टूबर तक आयोजित इस संरक्षा प्रशिक्षण में विद्युत संरक्षा, अग्नि संरक्षा एवं रसायन संरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया। इस संरक्षा प्रशिक्षण का लाभ एक हजार कर्मचारियों एवं श्रमिकों ने उठाया। संरक्षा प्रशिक्षण के पहले दिन गुरूवार को मुख्य अभियंता श्री पीके श्रीवास्तव ने कहा कि कर्मचारियों एवं श्रमिकों में संरक्षा के प्रति जागरूकता लाने एवं संरक्षा उपकरणों का सही इस्तेमाल करने के लिए इस प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि हम शून्य दुर्घटना का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इससे पहले मुख्य अभियंता ने मेसर्स सेफ्टीट्यूड कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड के संरक्षा विशेषज्ञ शिवप्रसाद श्रीवास्तव का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता पीके स्वैन भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि बिजली संयंत्रों में कड़े संरक्षा प्रोटोकॉल एवं प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। उचित प्रोटोकॉल और संरक्षा प्रशिक्षण देने से कारखानों में दुर्घटनाओं का जोखिम कम होता है। इस प्रशिक्षण में अधीक्षण अभियंता (सुरक्षा एवं वैधानिक अनुपालन) राजेश बंजारा, मुख्य संरक्षा अधिकारी पीयूष सोमानी, संरक्षा अधिकारी प्रिया मिश्रा एवं परमानंद जांगड़े का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

बिलासपुर : अवैध शराब का जखीरा बरामद, तीन गिरफ्तार

बिलासपुर, संवाददाता।

जिले की थाना चकरभाठा पुलिस ने अवैध रूप से शराब बनाने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है तथा उनके पास से भारी मात्रा में अवैध महुआा शराब बरामद किया है। मिली जानकारी के अनुसर दिनांक 12.10.2025 को थाना प्रभारी चकरभाठा निरीक्षक उत्तम साहू को मोबाइल से सूचना मिली कि ग्राम पिरैया में नदी किनारे कुछ लोग हाथ भट्ठी लगाकर महुआ शराब का निर्माण कर रहे हैं एवं भारी मात्रा में बिक्री हेतु महुआ शराब रखे हैं। सूचना पर निरीक्षक उत्तम साहू द्वारा थाना स्तर पर टीम गठित कर तत्काल मौके पर पहुंच कर घेराबंदी कर रेड कार्यवाही किया गया। जहां मौके पर तीन व्यक्ति मिले जिनके द्वारा नदी किनारे हाथ भट्ठी लगाकर कर अवैध महुआ शराब का निर्माण किया जा रहा था एवं बिक्री हेतु 150 लीटर महुआ शराब रखे थे। पुछताछ में आरोपियों ने अपना नाम-पता संजू भारद्वाज पिता साहब लाल भारद्वाज उम्र 22 वर्ष निवासी पिरैया थाना चकरभाठा जिला बिलासपुर,सुभाष भारद्वाज पिता रामाधार भारद्वाज उम्र 25 वर्ष निवासी पिरैया थाना चकरभाठा जिला बिलासपुर तथा अजय लहरें पिता चंदराम लहरें उम्र 30 वर्ष निवासी बकरकुदा थाना मस्तूरी जिला बिलासपुर बताया। जिसके बाद तीनों आरोपियों के कब्जे से 05 नग एल्युमिनियम हण्डा जिसमें महुआ लाहन भरा हुआ, 05 नग स्टील की झोंकनी पाइप लगी हुई, 05 नग स्टील गंज, 05 नग गैस सिलेंडर, 15-15 लीटर वाला 10 नग प्लास्टिक डिब्बा जिसमें महुआ शराब भरा हुआ कुल 150 लीटर महुआ शराब कीमती करीब 30 हजार रुपए को जप्त किया गया एवं आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(क)(च), 34(2), 59(क) के तहत तीनों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। आरोपियों के विरुद्ध संगठित अपराध की धाराओं के तहत कार्यवाही की जा रही है।

दोबारा हमला, मंदिर से लौटते वक्त उठाकर मारा-पीटा, चाकू से किया वार

रिपोर्ट वापस नहीं लेने पर भाई और मॉ की जान पर खतरा बताया

कोरबा, (संवाददाता)।

किराए के लिए मकान देखने के बहाने से घर में घुसे दो अज्ञात लोगों के द्वारा ब्लेड से किए गए हमले में घायल युवक के साथ 48 घंटा के भीतर दूसरी बार मारपीट कर हमला किया गया।

पिछले दिनों किए गए हमले से जख्मी युवक को जिला अस्पताल ले जाया गया था जहां से प्राथमिक उपचार बाद उसे छुट्टी दे दी गई। युवक अपने घर आ गया था। वह आज सुबह करीब 9-10 बजे के मध्य पैदल ही घर से निकल कर कॉलोनी के मंदिर में दर्शन करने हर दिन की तरह गया था। दर्शन कर लौट रहा था कि मंदिर के बगल वाली गली की पक्की सड़क पर एक चार पहिया वाहन में पहुंचे 7-8 लोगों ने उसे रास्ते से उठाया और गाड़ी में बिठाकर थोड़ी दूर ले गए। इसके बाद उसके साथ बेरहमी से मारपीट करते हुए कथित तौर पर चाकू से भी हमला किया गया। मारपीट करने वाले उसे दर्ज रिपोर्ट वापस लेने के लिए दबाव बनाते हुए कह रहे थे कि अगर रिपोर्ट वापस नहीं ली गई तो उसके भाई और मां को भी मार दिया जाएगा।

बताया जा रहा है कि इस दौरान यहां कचरा बिनने वाली कुछ महिलाओं के पहुंच जाने से हमलावर उसे यूं ही छोड़कर भाग निकले। जानकारी होते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उसके देवेश के रूप में पहचानते ही सूचना परिजन को दी गई। देवेश को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों ही मामले में आरोपी अभी तक गिरफ्त से दूर हैं। घटना के बाद से जहां परिजन भयभीत हैं वहीं स्थानीय लोगों में भी दहशत मिश्रित नाराजगी देखी जा रही है।

10 अक्टूबर को हुई थी वारदात

गौरतलब है कि सौरभ सिंह पिता स्व. विजय सिंह 38 वर्ष पता- रवि शंकर शुक्ल नगर मकान नं. 243/17/ई- राठौर स्ट्रीट में संतोष राठौर के मकान में किराये में रहता है और दीपका में एसीबी लिमिटेड रतिजा वाशरी में असिस्टेंट मैनेजर के पद पर पदस्थ है।

बता दें कि दो दिन पहले 10 अक्टूबर को सौरभ सिंह अपनी मॉ का ईलाज कराने के लिये रायपुर गया था। छोटा भाई देवेश सिंह घर पर अकेला था। रायपुर से लौटने पर पड़ोसियों से पता चला कि देवेश पर हमला हुआ है। शाम लगभग 4 बजे दो अज्ञात व्यक्ति फर्स्ट फ्लोर का किराये का मकान दिखाने के लिए चाबी की मांग किये। जैसे ही देवेश चाबी लेने के लिये घर अंदर गया, तभी पीछे से एक व्यक्ति घर के अंदर घुसकर भाई से मारपीट कर गर्दन पर वार किया और दराज में रखे नगद 4000रुपये को एवं भाई से अलमारी की चाबी को लेकर अंदर कमरे का अलमारी को खोलकर दराज व लॉकर से मॉ का एक पुराना सोने की कंगन, कान का बाली और चांदी का गिलास कीमती लगभग 40,000 रुपए को लूटकर ले गये।

मोहल्ले के लोग बताये कि भाई को किसी तरह बाहर निकाल कर मन्नु राठौर, त्रिपाठी को घटना के बारे मे बताया,फिर ईलाज कराने जिला अस्पताल लेकर गये। मामले में सौरभ सिंह की रिपोर्ट पर दो अज्ञात व?यक्ति के विरुद्ध धारा 3(5), 309(6), 333-बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज कर विवेचना जारी है कि आज दूसरी बार हमला हो गया।

फ्लोरामेक्स ठगी मामला : पूर्व गृहमंत्री ननकी राम कंवर ने राज्य सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

कोरबा(आरएनएस)। भाजपा के वरिष्ठ आदिवासी नेता पूर्व गृहमंत्री ननकी राम कंवर ने कोरबा जिले में लगभग 40000 महिलाओं के साथ में फ्लोरामेक्स के द्वारा अरबों रुपए की ठगी के मामले को केंद्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के समक्ष सुनवाई हेतु शिकायत पत्र दिया था। शिकायत पर केंद्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने स्वतः संज्ञान लेकर मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन को 01/01/2025 को नोटिस जारी किया था। नोटिस के बाद कोरबा कलेक्टर से रिपोर्ट मंगाया गया। ननकीराम का कहना है कि रिपोर्ट में मनगढ़ंत भ्रामक व गलत जानकारी राज्य सरकार को भेजकर राज्य सरकार को धोखे में रखकर गुमराह किया गया। राज्य सरकार ने कलेक्टर की रिपोर्ट को बिना जांच पड़ताल किए केंद्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के समक्ष प्रस्तुत कर दिया। रिपोर्ट के बाद ननकी राम कंवर ने वास्तविक जानकारी से केंद्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग को अवगत कराया और कहा गया कि फ्लोरामैक्स मामले में किए गए थ्स् में 120 करोड़ का निवेश बतलाया गया है जबकि बिना आंकड़ा के व बिना सही जानकारी के कलेक्टर ने राज्य सरकार को केवल 12 करोड़ रूपये 30000 ग्रामीण एवं शहरी महिलाओं से निवेश कराए गए हैं, की बात लिखकर भेजा था। इस मामले में केंद्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने प्रकरण दर्ज कर प्रकरण को संज्ञान में लेकर मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन को 16 अक्टूबर 2025 को दिल्ली में उपस्थिति हेतु नोटिस जारी किया है।

दीपावली से पहले मिली राशि ने बढ़ाई खुशियां

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए संचालित महतारी वंदन योजना लाखों महिलाओं के जीवन में खुशहाली और आत्मनिर्भरता लाने में मददगार साबित हो रही है। दीपावली पर्व से पूर्व योजना की 20वीं किश्त जारी होने से पूरे प्रदेश की महिलाओं के चेहरों पर प्रसन्नता और आत्मविश्वास झलक उठा है।

इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र महिला को प्रति माह 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जिससे महिलाएं अपने परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। इसी कड़ी में सक्ती जिले की ग्राम पंचायत टेमर निवासी श्रीमती रजनी कुम्हार भी महतारी वंदन योजना से लाभान्वित होकर अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हुई हैं।

पत्रकारिता विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत अहम फैसले

रायपुर। रायपुर स्थित कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय ने अपनी 63वीं कार्यपरिषद की बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। इनमें सबसे प्रमुख फैसला 'चुनौती मूल्यांकन' व्यवस्था को लागू करना है।विश्वविद्यालय ने छात्रों के हित में बड़ा कदम उठाते हुए चुनौती मूल्यांकन का शुल्क केवल 1000 निर्धारित किया है। यह व्यवस्था छात्रों को पुनर्मूल्यांकन या पुनर्गणना के परिणामों से असंतुष्ट होने पर अपने उत्तर-पुस्तिकाओं की दोबारा जांच कराने का पारदर्शी अवसर प्रदान करती है। गौरतलब है कि रायपुर विश्वविद्यालय (पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय) में यही शुल्क 2500 तय किया गया था, जिससे छात्रों को बड़ी वित्तीय राहत मिलेगी। इसके अलावा, पुनर्गणना के लिए शुल्क 50 तय किया गया है।

कार्यपरिषद में एनईपी 2020 के अनुरूप पाठ्यक्रमों को और अधिक उन्नत तथा समृद्ध बनाने पर जोर दिया गया है, ताकि छत्तीसगढ़ के प्रतिभावान छात्रों को इसका अधिकतम लाभ मिल सके। प्रशासनिक दक्षता को बढ़ाने और छात्र सुविधाओं को त्वरित बनाने के लिए डिजिटल तकनीक अपनाने पर भी सहमति बनी। विश्वविद्यालय की प्रशासनिक प्रक्रियाओं को तेज करने और डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने के लिए लैपटॉप और कंप्यूटर सिस्टम खरीदने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

लघु वनोपजों से आत्मनिर्भरता की राह – मुख्यमंत्री श्री साय ने तय किया हरित विकास का रोडमैप

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज मंत्रालय (महानदी भवन) में आयोजित कलेक्टरङ्कडीएफ्रओ संयुक्त कॉन्फ्रेंस में प्रदेश के वन प्रबंधन, तेंदूपत्ता संग्राहकों के हित, लघु वनोपजों के मूल्य संवर्द्धन (वैल्यू एडिशन), ईको-टूरिज्म, औषधीय पौधों की खेती और वनों से जुड़ी आजीविका के विविध आयामों पर विस्तृत चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि तेंदूपत्ता संग्राहक हितग्राहियों की संख्या आज 12 लाख से अधिक हो चुकी है, जो हमारे सामूहिक प्रयासों की सफलता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि के लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि प्रदेश में अब 46 प्रतिशत वन आवरण हो चुका है, जो लगभग दो प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि में कैम्पा योजना और ÷एक पेड़ मां के नाम÷ जैसी अभिनव पहल का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कॉन्फ्रेंस में जिला अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि तेंदूपत्ता संग्राहकों को भुगतान सात से पंद्रह दिनों के भीतर सुनिश्चित किया जाए। साथ ही भुगतान की जानकारी एसएमएस के माध्यम से सीधे संग्राहकों के मोबाइल पर भेजी जाए, जिससे पारदर्शिता बनी रहे। बैठक में बताया गया कि लगभग 15 लाख 60 हजार संग्राहकों की जानकारी ऑनलाइन दर्ज हो चुकी है और सभी भुगतान बैंक खातों के माध्यम से किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने तेंदूपत्ता संग्रहण प्रक्रिया के पूर्ण कंप्यूटरीकरण की पहल को और तेज करने के निर्देश दिए।

कॉन्फ्रेंस में औषधीय पौधों की खेती के विस्तार हेतु प्रचार-प्रसार गतिविधियों को बढ़ाने और इसके लिए कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के मैदानी अमले की सहायता लेने पर भी चर्चा की गई।

बैठक में बीजापुर, सुकमा और नारायणपुर जिलों में पिछले सीजन में हुए तेंदूपत्ता संग्रहण की समीक्षा की गई। साथ ही आगामी सीजन के लिए पूर्व-कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए, ताकि संग्राहकों को समय पर लाभ मिल सके और किसी प्रकार की देरी न हो।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि लघु वनोपजों को वनांचल क्षेत्रों में आजीविका के प्रमुख साधन के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। बैठक में लघु वनोपज आधारित स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने और वन धन केंद्रों को सुदृढ़ करने पर सार्थक चर्चा हुई, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिल सके।छत्तीसगढ़ हर्बल और संजीवनी ब्रांड के उत्पादों के प्रचार-प्रसार पर विशेष बल दिया गया। बैठक में निर्देश दिए गए कि इन उत्पादों की बिक्री ग्रामीण और शहरी दोनों बाजारों में बढ़ाई जाए, ताकि स्थानीय उत्पादों के लिए एक मजबूत मार्केट नेटवर्क विकसित हो सके। साथ ही, उत्पादों के जैविक प्रमाणीकरण (ह्ल्द्दड्डठ्ठद्बष ष्ट्द्गह्ल्ल्द्बद्बद्बष्ड्डह्ल्द्बश्ठ्ठ) की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूरा करने पर बल दिया गया।वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि पहली बार वन अधिकारियों की बैठक आयोजित कराने के लिए वे मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि यदि सभी कलेक्टर और वन अधिकारी समन्वय स्थापित कर संयुक्त रूप से कार्य करें, तो इसके अत्यंत अच्छे परिणाम सामने आएंगे।

सुशासन संवाद : नवाचार, पारदर्शिता और डिजिटल प्रशासन की दिशा में निर्णायक कदम

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में 'सुशासन संवाद' कार्यक्रम सम्पन्न – जिलों के नवाचारों पर हुई विस्तृत चर्चा

रायपुर। मंत्रालय महानदी भवन के पंचम तल स्थित ऑडिटोरियम में आज मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में 'सुशासन संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वन मंत्री श्री केदार कश्यप, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव, मुख्य सचिव श्री विकास शील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत, विभागीय सचिव, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, डीएफ्रओ सहित राज्य के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नवाचार ऐसे हों जो दीर्घकालिक रूप से व्यवहारिक हों, नागरिकों की सुविधा बढ़ाएं, और शासन की फ्लैगशिप योजनाओं को सहयोग दें। राज्य सरकार नवाचारों का स्वागत करती है, परंतु यह ध्यान रखना आवश्यक है कि बुनियादी प्रशासनिक कार्य इससे प्रभावित न हों। उन्होंने कहा कि नवाचार तुगलकी प्रयोग न बनें, बल्कि नागरिक जीवन को सरल बनाने का माध्यम बनें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कलेक्टरों को निर्देश दिए कि जो भी नवाचार हों, उनमें लोगों की राय अवश्य शामिल की जाए और उनके प्रभाव का फीडबैक लिया जाए। उन्होंने कहा कि कई बार जिले में किए गए नवाचार आने वाले अधिकारियों की प्राथमिकता में नहीं रहते, इसलिए इनकी स्थायित्व और उपयोगिता पर विशेष ध्यान दिया जाए। नवाचार का उद्देश्य जनता की सेवा और पारदर्शिता में वृद्धि होना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम को सरकार की सबसे महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी सेवाएं निर्धारित समय में गुणवत्तापूर्ण ढंग से दी जाएं और यदि देरी होती है तो जिम्मेदार अधिकारियों पर अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि अगली समीक्षा में यह देखा जाएगा कि कितने मामलों का समय पर निराकरण हुआ और कितने अधिकारियों पर कार्रवाई की गई। सुशासन एवं अभिसरण विभाग द्वारा आरंभ किए गए 'पुराने दस्तावेज हटाओ' अभियान की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यालयों में वर्षों पुराने अनुपयोगी फाइलें न केवल जगह घेरती हैं, बल्कि नागरिकों में गलत छवि भी बनाती हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी कलेक्टर अपने कार्यालयों को व्यवस्थित करें ताकि पारदर्शिता और कार्यक्षमता बढ़ सके।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुशासन का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम ई-ऑफिस प्रणाली है। उन्होंने सभी विभागों को निर्धारित समय सीमा में इसे पूरी तरह लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मैनुअल प्रक्रिया पर निर्भरता घटाना आवश्यक है और सभी लंबित फाइलों को डिजिटल माध्यम में लाना होगा ताकि पारदर्शिता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज डिजिटल गवर्नेंस का युग है। सभी कलेक्टर सुनिश्चित करें कि ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर अधिकाधिक सेवाएं उपलब्ध हों और जनता ऑनलाइन सेवाओं का लाभ उठा सके। उन्होंने निर्देश दिया कि नागरिकों में डिजिटल सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक सेवा को डिजिटल करना ही पारदर्शी शासन की दिशा में सबसे बड़ा कदम है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जनता की शिकायतों का त्वरित और पारदर्शी निराकरण प्रशासन की जिम्मेदारी है। सभी कलेक्टर शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर सूचीबद्ध करें और डिजिटल माध्यम में उनके समाधान की स्थिति उपलब्ध कराएं। इससे नागरिकों का भरोसा बढ़ेगा और भ्रष्टाचार की संभावनाएं समाप्त होंगी। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों में मैनुअल गवर्नेंस से भ्रष्टाचार बढ़ा, जबकि डिजिटल प्रणाली जवाबदेही सुनिश्चित करती है।

मुख्यमंत्री साय ने की पीएम आवास की समीक्षा

o पहली और दूसरी किश्त के बीच भुगतान के दिनों में कमी लाने पर दिया जोर

रायपुर, कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस 2025 की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पीएम आवास योजना की समीक्षा की. पीएम आवास योजना ग्रामीण की पहली और दूसरी किश्त के बीच भुगतान के दिनों में कमी लाते हुए इसकी अनिवार्य मॉनिटरिंग के लिए कलेक्टरों को कहा. इसके साथ पीएम जनमन के आवासों को मार्च 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इसके साथ ही मुख्यमंत्री आवास योजना के निर्माणाधीन भवनों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश देते हुए प्रति आवास पूर्णता में लगने वाले औसत दिनों में कमी लाने की बात कही. इसके अलावा विशेष परियोजना के अंतर्गत स्वीकृत आवासों को तय समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए, मुख्यमंत्री साय ने स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत किए कार्यों के भुगतान को लंबित रखने पर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए. दरअसल, अभियान के काम प्रभावित हुए हैं. उन्होंने कार्य में विलंब से भुगतान पर नाराजगी जाहिर की, साथ ही आगे से समय सीमा में भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. नगरीय प्रशासन विभाग की समीक्षा के दौरान सीएम विष्णुदेव साय ने कलेक्टर्स को सुबह 7 बजे के पहले नगरीय निकायों के वार्डों में जाकर निरीक्षण करने को कहा.

हम सभी एक किसान परिवार के हैं आपकी समस्याओं के हल के लिए हम प्रतिबद्ध : मंत्री श्री गजेंद्र यादव

मंत्री गजेंद्र यादव ने आंदोलनरत किसानों से मिलकर सुनी उनकी समस्याएं

किसानों की मांगों पर मंत्री ने प्रतिनिधि मंडल से मिलकर सहानुभूतिपूर्वक की चर्चा

रायपुर। भारतीय किसान संघ छत्तीसगढ़ प्रदेश के द्वारा आज बूढ़ा तलाब स्थित धरना स्थल पर आंदोलन किया गया था। जिसे देखते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव आंदोलनरत भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात की और उनसे उनकी समस्याओं के संबंध में जाना। जहां बिंदुवार सभी नौ सूत्रीय मांगों पर उन्होंने प्रतिनिधियों से सहानुभूतिपूर्वक सभी मांगों के संबंध में चर्चा की। इसके बाद वे बूढ़ा तलाब स्थित धरना स्थल में पहुंचे। जहां बड़ी संख्या में आये किसानों ने मंत्री श्री यादव का अभिवादन किया।शिक्षा मंत्री श्री यादव ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी किसान एक परिवार की तरह हैं, हमारी विचारधारा भी एक ही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय भी इसी किसान परिवार से संबंध में रखते हैं, इसीलिए आपकी मांगों पर उन्होंने संवेदनशीलतापूर्वक विचार किया है। जिसमें उन्होंने बताया कि सिंचाई का रकबा बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा कैबिनेट बैठक में 15 परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई थी जिसके निर्माण के लिए 2800 करोड़ रूपयों को आज जारी किया जा रहा है। इसके साथ ही धान खरीदी पर किसानों से 40 किलो में सात सौ ग्राम से अधिक नहीं लेने एवं समितियों में भंडारण सुनिश्चित करने की भी उन्होंने घोषणा की और खाद की कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण का भी आश्वासन दिया।

इसके अतिरिक्त उन्होंने बताया कि किसानों की मांग अनुरूप कवर्धा के भोरमदेव शक्कर उत्पादक कंपनी के गन्ना उत्पादक किसानों की बकाया 46 करोड़ रूपयों की राशि को कैबिनेट द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है, वित्त द्वारा इसपर जल्द कार्यवाही पूर्ण कर किसानों को लाभान्वित किया जाएगा। जिस पर सभी किसानों ने प्रसन्नता व्यक्त की।

तेलीबांधा व्ही.आई.पी रोड स्थित ज्यूक बार शीतल इंटरनेशनल होटल में जानलेवा हमला

रायपुर । प्रार्थी अज्जू पाण्डेय ने थाना तेलीबांधा में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि वह पंचवटी मोवा रायपुर में रहता है। दिनांक 21.09.2025 के 11.10 बजे वह तेलीबांधा व्ही.आई.पी. रोड स्थित जूकबार शीतल इन्टर नेशनल होटल में खाना खाने गया था, रात्रि करीबन 11.10 बजे खाना खाने के लिए टेबल में बैठा था उसी समय उसके टेबल के पीछे बैठे प्रेमकुमार वर्मा, पुलकीत चंद्राकार, प्रखर चंद्राकर एवं मुकुल सोना आये तथा उसे बात करना है कहकर साईड में बुलाये एवं बिना कारण उससे अश्लील गाली गलौज करने लगे प्रार्थी द्वारा मना करने पर उनके द्वारा प्रार्थी को जान से मारने की धमकी देते हुवे उसकी हत्या करने की नीयत से उनके द्वारा प्रार्थी से हाथ मुक्का एवं सामने रखे प्लास्टिक की कुर्सी से उसके सार मारपीट कर गंभीर चोट पहुंचा कर फरार हो गये थे। जिस पर आरोपियो के विरूद्ध थाना तेलीबांधा में अपराध क्रमांक 608/25 धारा 109, 3(5) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध किया गया। घटना को उमनि एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री कीर्तन राठौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राईम श्री संदीप मित्तल, उप पुलिस अधीक्षक क्राईम श्री संजय सिंह, नगर पुलिस अधीक्षक सिविल लाईन श्री रामाकांत साहू, प्रभारी एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना प्रभारी तेलीबांधा को आरोपियों की पतासाजी कर जल्द से जल्द गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में टीम के सदस्यों द्वारा प्रकरण में संलिप्त आरोपियों के छिपने के हर संभावित ठिकानों में लगातार रेड कार्यवाही करते हुए प्रकरण में संलिप्त आरोपी पुलकित चंद्राकर, प्रखर चंद्राकर, मुकुल सोना एवं अन्य को गिरफ्तार करने के प्रयास किये जा रहे थे। इसी दौरान टीम के सदस्यों को प्रकरण में आरोपी प्रखर चंद्राकर, पुलकीत चंद्राकर एवं मुकुल सोना की उपस्थिति के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा प्रकरण में आरोपी प्रखर चंद्राकर, पुलकीत चंद्राकर एवं मुकुल सोना को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त 01 नग चारपहिया वाहन जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही किया गया है। प्रकरण में पूर्व में आरोपी प्रेम कुमार वर्मा एवं शुभम साव को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त 01 नग चारपहिया वाहन थार जप्त किया जा चुका है।

अवैध रेत खनन पर बड़ी कार्रवाई, ग्राम गुदगुदा में 2 बोट एवं 2 चैन माउंटेन मशीन जब्त

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार रायपुर जिले में अवैध रेत खनन के विरुद्ध त्वरित एवं सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में राजस्व एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने आरंग विकासखंड के ग्राम गुदगुदा में बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रेत उत्खनन में प्रयुक्त 2 बोट एवं 2 चैन माउंटेन मशीन जब्त की है।

यह कार्रवाई आरंग एसडीएम श्रीमती अभिलाषा पैकरा के नेतृत्व में की गई, जिसमें नायब तहसीलदार श्री जी.एन. सिदार, राजस्व अमला तथा खनिज अधिकारी श्री हेमंत क्षेरपा एवं उनकी टीम शामिल रही। कार्रवाई के दौरान मौके पर अवैध उत्खनन कार्य रोका गया और जब्त की गई सामग्रियों को सुरक्षित रखवाया गया है।

शादी का झांसा देकर युवती का दैहिक शोषण, आरोपी 10 घंटे में गिरफ्तार

बिलासपुर । बिलासपुर में सोशल मीडिया के माध्यम से दोस्ती कर एक युवती के साथ धोखाधड़ी और दैहिक शोषण का गंभीर मामला सामने आया है। आरोपी ने शादी का झूठा वादा कर युवती का शारीरिक शोषण किया और उसका वीडियो बनाकर ब्लैकमेल भी करता रहा। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को महज़ 10 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया।यह घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है। पीड़िता, जो अपने गांव से बिलासपुर में पढ़ाई के लिए आई थी, उसकी मुलाकात फरवरी 2025 में साजिद अहमद नामक युवक से सोशल मीडिया के जरिए हुई। दोनों में बातचीत शुरू हुई और जल्द ही साजिद ने युवती को प्रेम जाल में फंसा लिया। घुमाने के बहाने अपने किराए के मकान में ले जाकर उसने शादी का झांसा दिया और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।पीड़ित युवती के अनुसार, आरोपी साजिद अहमद ने इस घटना का वीडियो अपने फोन में चुपके से रिकॉर्ड कर लिया। इसके बाद वह वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर फरवरी 2025 से अक्टूबर 2025 तक लगातार युवती को डराता-धमकाता रहा और उसका मानसिक तथा शारीरिक शोषण करता रहा। साथ ही, घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की भी धमकी देता था।

साजिद के लगातार अत्याचारों से तंग आकर आखिरकार पीड़िता ने अपनी मां को पूरी बात बताई। इसके बाद, पीड़िता अपनी मां के साथ सरकंडा थाना पहुंची और आरोपी के खिलाफरिपोर्ट दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए, एसएसपी रजनेश सिंह ने तत्काल आरोपी को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र जायसवाल और नगर पुलिस अधीक्षक सरकंडा निमितेश सिंह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सरकंडा निलेश पाण्डे ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी की तलाश शुरू की और महज़ 10 घंटे में उसे धर दबोचा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। **संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।**
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily **कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल** (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)